घर में खुशहाली बनाए रखने के लिए सबसे पहले सकारात्मक सोच और आपसी सम्मान जरूरी है। सुबह उठते ही ईश्वर का स्मरण करें और घर को साफ-सुथरा रखें। रोज थोड़ा समय परिवार के साथ बैठकर बातचीत करें, इससे आपसी समझ मजबूत होती है। घर में नियमित दीपक या अगरबत्ती जलाने से वातावरण शुद्ध और शांत रहता है। जरूरतमंदों की सहायता करने से भी घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। आपसी मतभेद होने पर शांतिपूर्वक बातचीत से समाधान निकालें। सप्ताह में एक दिन परिवार के साथ भोजन करना और हँसी-मजाक करना रिश्तों को मजबूत बनाता है।

कॉल करें: 9770440000
अब समय है अपने भविष्य को संवारने का!

दैनिक
साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

वर्ष : 3 अंक : 216 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, शनिवार 22 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

सुरक्षित श्रम, सामाजिक सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार और डिजिटल सेवाओं का व्यापक विस्तार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रमिक कल्याण को नई दिशा, सशक्तिकरण की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

रायपुर। राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों का योगदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। श्रमिकों के सम्मान, सुरक्षा और समग्र विकास के बिना विकसित राज्य की कल्पना संभव नहीं है। इसी सोच को आधार बनाकर छत्तीसगढ़ शासन का श्रम विभाग श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के निर्देशन में श्रमिकों के हितों की रक्षा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से सेवाओं को सरल बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। राज्य सरकार के ढाई साल में श्रम विभाग की उपलब्धियाँ राज्य सरकार की श्रमिक हितैषी सोच और संवेदनशील प्रशासन का परिचायक हैं।

श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा श्रमिकों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने पाँच नए जिलों में श्रम पदाधिकारी कार्यालय स्थापित किए हैं। मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि पाँच श्रम पदाधिकारी कार्यालयों को सहायक श्रमायुक्त कार्यालय के रूप में उन्नत किया गया है। अब प्रदेश में 10 सहायक श्रमायुक्त कार्यालय एवं 23 श्रम पदाधिकारी कार्यालय सहित कुल 33 श्रम कार्यालय संचालित हैं। इससे श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और योजनाओं के प्रभावी संचालन को नई गति मिली है।

औद्योगिक विकास और श्रमिक हितों के संतुलन को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने श्रम कानूनों में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। छत्तीसगढ़ कारखाना नियम, 1962 में संशोधन कर निर्धारित सुरक्षा प्रावधानों के साथ महिलाओं के रोजगार के अवसरों का विस्तार किया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना नियम, 2021 में संशोधन के माध्यम से श्रम पहचान पंजीयन प्रमाण-पत्र अब 24 घंटे के भीतर जारी किए जाने का प्रावधान किया गया है। इससे उद्योगों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को सरल एवं पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध होंगी तथा 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को भी बढ़ावा मिलेगा।

श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के माध्यम से अब तक लगभग 56.83 लाख संगठित, निर्माण एवं असंगठित श्रमिकों का पंजीयन किया जा चुका है।

वर्ष 2026 में 30 जून तक विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लगभग 3.48 लाख श्रमिकों को बीमा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कौशल उन्नयन जैसी सुविधाओं का लाभ प्रदान किया गया है। इन योजनाओं पर लगभग 173.32 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं, जो श्रमिक कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

निर्माण श्रमिकों को बढ़ी आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के अंतर्गत आवास निर्माण अथवा घर खरीदने के लिए दी जाने वाली सहायता राशि एक लाख रुपये से बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दी गई है। यह निर्णय निर्माण श्रमिकों के अपने घर के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इसी प्रकार दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के अंतर्गत पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों एवं उनके समूहों को ई-रिक्शा खरीदने के लिए सहायता राशि भी एक लाख रुपये से बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दी गई है। इससे महिला श्रमिकों को स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता के नए अवसर मिल रहे हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई पहल

राज्य सरकार ने श्रमिक परिवारों के भविष्य को संवारने के उद्देश्य से अटल कैरियर निर्माण योजना प्रारंभ की है। इसके माध्यम से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को इंजीनियरिंग एवं मेडिकल जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण नि:शुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी।

SHORT NEWS

जिले में सड़क सुदृढ़ीकरण को मिली बड़ी गति, 12.63 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ राज्य में सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत जिले के दो प्रमुख मार्गों के मजबूतीकरण एवं उन्नयन कार्यों के लिए 12 करोड़ 63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन मार्गों के सुदृढ़ीकरण से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक होगा। स्वीकृत कार्यों के तहत शिवपुर से पत्थलगांव मार्ग के 9 किमी हिस्से के मजबूतीकरण के लिए 5 करोड़ 1 लाख रुपये तथा दुलदुला से चटकपुर- लोटापानी मार्ग, कुनकुरी के 18.6 किमी हिस्से के मजबूतीकरण के लिए 7 करोड़ 62 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज जांजगीर जिला मुख्यालय में अपने चारों विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जांजगीर-चांपा और सक्ती जिले के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर दोनों जिलों में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री साव ने दोनों जिलों में संचालित विभागीय योजनाओं, विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित होना चाहिए। बैठक में अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय निकायों में विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन कार्यों की स्वीकृति एवं आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उन्हें तत्काल प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करें।

चमोली सुरंग हादसे में कोंडागांव के 4 श्रमिकों की मौत, सीएम साय ने परिजनों को 5-5 लाख सहायता के दिए निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उत्तराखंड के चमोली में निर्माणाधीन सुरंग में पानी भरने की दु:खद घटना में कोंडागांव जिले के 4 श्रमिकों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृतक श्रमिकों के परिजनों को 5-5 लाख तथा हादसे में घायल दोनों श्रमिकों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

इस हादसे में कोंडागांव जिले के ग्राम धनसुली के 2, मदनार के 1 और दहीकोंगा के 1 श्रमिक की मृत्यु हुई है, जबकि जिले के 2 श्रमिक घायल हुए हैं। दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर कोंडागांव लाए गए, जहां परिजनों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार दु:ख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने ली जांजगीर.चांपा जिले के जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

रायपुर। वित्त मंत्री एवं जांजगीर-चांपा जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं, ताकि जिलेवासियों को उनका समय पर लाभ मिल सके।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि आम नागरिकों के कार्यों का त्वरित निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार एवं लापरवाही की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। यदि ऐसी शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यालय में उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं तत्परता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री ने जिले में संचालित बड़ी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मंत्री नेताम की अध्यक्षता में संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित टीआरटीआई के सभाकक्ष में आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के संचालन, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की गई। मंत्री श्री नेताम ने इस अवसर पर टीआरटीआई द्वारा प्रकाशित गुमनाम जननायक पुस्तक का भी विमोचन किया। उन्होंने इस दौरान शहीद वीरनारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सह स्मारक में दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्य कर रही सुश्री अंबिका ध्रुव का नगर सैनिक में चयनित होने पर सम्मानित भी किया।

मंत्री नेताम ने एकलव्य विद्यालयों में गणवेश, मेस संचालन, भोजन व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं में एकरूपता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में नेस्ट्स एवं राज्य सरकार के भर्ती नियमों के अनुरूप योग्यता रखने वाले एकलव्य विद्यालयों के पूर्व अतिथि शिक्षकों को पुन: अवसर प्रदान करने के विषय पर भी सहमति बनी।

बैठक में बताया गया कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित हैं। साथ ही एकलव्य विद्यालयों की चतुर्थ राष्ट्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रदेश के विद्यार्थियों की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। नवंबर 2025 में ओडिशा के सुंदरगढ़ में आयोजित प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 466 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों ने 55 स्वर्ण पदक सहित कुल 126 पदक अर्जित किए। मंत्री श्री नेताम ने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों की सराहना की। इस अवसर पर विभाग के सचिव श्री भुवनेश यादव, आयुक्त श्री राहुल वेंकट, टीआरटीआई की संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, संचालक मंडल के सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

विजय शर्मा ने किया शौर्य वाटिका का भूमिपूजन, लगभग 79 लाख रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

रायपुर। जिले के वीर बलिदानियों की पावन स्मृति को संजोने और उनकी शौर्यगाथा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम सोनपुर में शौर्य वाटिका का भूमिपूजन किया गया। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में जिले के 37 शहीद परिवारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर लगभग एक एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही 'शौर्य वाटिका' में शहीदों के नाम पर उनके परिजनों द्वारा स्मृति वृक्ष लगाए गए। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भी शहीदों की स्मृति में पीपल का पौधा रोपित कर शौर्य वाटिका में पौधरोपण की शुरुआत की।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री शर्मा ने लगभग 78.96 लाख रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें तालाब गहरीकरण, खेल मैदान, पहुंच मार्ग निर्माण, शौचालय, चबूतरा निर्माण, वृक्षारोपण एवं शेड निर्माण सहित विभिन्न कार्य शामिल हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के अंतर्गत 37.95 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड निर्माण, आहता निर्माण एवं शेड निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण किया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में छत्तीसगढ़ के जवानों और बस्तर के लोगों ने बड़ी कीमते चुकाई है। उन्होंने शहीद जवानों और उनके परिवारों को नमन करते हुए कहा कि आज बस्तर में शांति स्थापित होने के बाद विकास की नई संभावनाएं खुली हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से रिटायर्ड रेल कर्मचारी की मौत

जांजगीर-चांपा । सारागांव रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में रिटायर्ड रेल कर्मचारी की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि मृतक के शरीर के कई हिस्से अलग-अलग हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे स्टेशन परिसर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार ग्राम देवरी निवासी दुकालू बरेठ, उम्र लगभग 80 वर्ष, रिटायर्ड रेल कर्मचारी थे। बताया जा रहा है कि वे सुबह करीब 9 बजे सारागांव रेलवे स्टेशन के पास पहुंचे थे। इसके बाद वे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म की ओर गए। इसी दौरान ट्रेन के आने पर वे अचानक उसकी चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आने से दुकालू बरेठ की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि उनके शव के कई हिस्से अलग-अलग हो गए। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच की जा रही है। हादसा दुर्घटना था अथवा मृतक ने जानबूझकर ट्रेन के सामने आकर आत्मघाती कदम उठाया, इस संबंध में पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को मिलने के बाद परिवार में मातम का माहौल है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया की जा रही है।

65 वर्षीय वृद्ध की हत्या का 24 घंटे में खुलासा, विधि से संघर्षरत बालक हिरासत में

बलौदाबाजार । ग्राम मुड़ियाडीह-खैंदा मेनरोड पर 65 वर्षीय वृद्ध की हत्या के मामले का सिटी कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने महज 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, लोकेशन ट्रैकिंग और मुखबिर तंत्र की मदद से घटना के बाद फरार हुए विधि से संघर्षरत एक बालक को महासमुंद क्षेत्र से हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार 18 अगस्त की शाम ग्राम मुड़ियाडीह निवासी केजराम ध्रुव का शव मुड़ियाडीह-खैंदा मेनरोड पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर धारदार हथियार से गंभीर चोट के निशान मिले। परिजनों ने बताया कि केजराम शाम करीब 5 बजे ग्राम खैंदा में दूध देने के लिए घर से निकले थे। मृतक के पुत्र लकेश्वर ध्रुव की रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग कायम कर अपराध क्रमांक 697/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

रुपये देने से मना किया तो कर दिया हमला मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक गौरव राय के मार्गदर्शन में सिटी कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के मार्गों का तकनीकी विश्लेषण करने के साथ मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि घटना के बाद फरार विधि से संघर्षरत बालक बलौदाबाजार से रायपुर पहुंचा और वहां से बस के जरिए महासमुंद की ओर जाने की फिराक में है।

प्रदेश के हॉकी खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा प्लेटफॉर्म, लीग की तैयारियां शुरू

राजनांदगांव । छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित होने जा रही छत्तीसगढ़ हॉकी लीग को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ हॉकी के पदाधिकारियों ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फ़िरोज़ अंसारी ने कहा कि प्रदेश में पहली बार हॉकी लीग का आयोजन किया जाना हॉकी खेल और खिलाड़ियों के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। इस लीग के माध्यम से प्रदेश के प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ एक बड़ा और बेहतर प्लेटफॉर्म प्राप्त होगा। इससे खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव मिलने के साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के नए अवसर भी मिलेंगे।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लिए प्रदेश के खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों को लीग से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आयोजन से प्रदेश में हॉकी के प्रति युवाओं का आकर्षण बढ़ेगा तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी नई हॉकी प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर मिलेगा।

अंसारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की हॉकी में गौरवशाली परंपरा रही है और प्रदेश के अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। ऐसे में छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आयोजन प्रदेश में हॉकी के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इससे प्रदेश में हॉकी की नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और खेल का व्यापक स्तर पर विस्तार होगा।

छत्तीसगढ़ हॉकी के पदाधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए प्रदेश सरकार एवं उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के सहयोग एवं मार्गदर्शन से छत्तीसगढ़ में हॉकी को नई ऊंचाइयां प्राप्त होंगी तथा खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं एवं अवसर उपलब्ध होंगे।

अनुकम्पा नियुक्ति में कलेक्टर ने राजकमल कुर्रे को प्रदान किया पटवारी प्रशिक्षण चयन आदेश

सारंगढ़ बिलाईगढ । कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अनुकम्पा नियुक्ति प्रक्रिया अंतर्गत राजकमल कुर्रे का पटवारी प्रशिक्षण के लिए चयन आदेश जारी कर उन्हें प्रदान किया है। यह नियुक्ति उनके पिता रामलाल कुर्रे, व्याख्याता (छत्तीसगढ़ शासन) का मृत्यु सेवा के दौरान होने के बाद जिला स्तरीय चयन समिति की अनुशंसा के फलस्वरूप मिला है। इसमें 3 वर्ष का परिवीक्षा अवधि सहित अन्य सामान्य प्रक्रिया लागू रहेगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा उपस्थित थे।

अर्जुंदा विधायक कार्यालय में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती

बालोद । भारत रत्न, संचार क्रांति के जनक एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती विधायक कार्यालय अर्जुंदा में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अर्जुंदा के अध्यक्ष जीवन बंदे के नेतृत्व में किया गया। इसमें गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने स्व. राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पश्चात आयोजित विचार गोष्ठी में उनके दूरदर्शी नेतृत्व, आधुनिक भारत के निर्माण तथा संचार एवं तकनीकी क्षेत्र में दिए गए ऐतिहासिक योगदान को याद किया गया। विधायक कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि स्व. श्री राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने का सपना देखा था। उन्होंने देश में तकनीकी विकास,

संचार क्रांति एवं युवाओं की भागीदारी को नई दिशा दी। उनकी आधुनिक, प्रगतिशील और तकनीक-सक्षम भारत की परिकल्पना आज भी देश के विकास की प्रेरणा है। उनके विचार और राष्ट्र के प्रति समर्पण हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

कार्यक्रम में हरीश चंद्राकर उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बालोद, अनुभव शर्मा उपाध्यक्ष नगर पंचायत अर्जुंदा, कोजम दास टंडन पार्षद, जैताराम ठाकुर एवं आसिफ गहलोत जनपद सदस्य, राजू पारख अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी अर्जुंदा, दिग्विजय ठेठवार विधायक प्रतिनिधि, सुभाष देशमुख सदस्य जिला कांग्रेस कमेटी बालोद सहित विनय कुमार साहू, कुलेश्वर तिवारी, दिलीप देश लहरा, भोलेश्वर प्रसाद देशमुख, ओमप्रकाश टंडन, राधेश्याम ठाकुर, राजेश साहू, योगेश दास मानिकपुरी, महेंद्र कुमार रवि, इंद्रजीत, पप्पू निषाद, ओमप्रकाश बारले, मदनलाल गोगड़, वामन साहू एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर ,बिजली बिल में बढ़ोतरी एवं अघोषित विद्युत कटौती के विरोध में नगर कांग्रेस ने विद्युत विभाग के कार्यालय का किया घेराव

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर नगर कांग्रेस कमेटी ने स्मार्ट मीटर, बढ़े बिजली बिल और अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया। नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश्वर टंडन के नेतृत्व में कार्यकर्ता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित बिजली कार्यालय पहुंचे और घेराव किया। दोपहर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बिजली कार्यालय पहुंचे। उन्होंने स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों, बढ़े बिजली बिल और बार-बार हो रही अघोषित कटौती का मुद्दा उठाया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अनियमित बिजली आपूर्ति से आम उपभोक्ताओं के साथ व्यापारी, किसान, विद्यार्थी और छोटे व्यवसाय से जुड़े लोग परेशान हैं। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने बिजली कार्यालय में मौजूद अधिकारी को शासन के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों की जांच, बढ़े बिजली बिलों का परीक्षण कर उपभोक्ताओं को राहत देने और अघोषित कटौती पर रोक लगाने की मांग की गई। क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और शिकायतों का समय पर निराकरण करने की मांग भी रखी गई। महेश्वर टंडन ने कहा कि स्मार्ट मीटर, बढ़े बिल और अघोषित कटौती को लेकर लोगों में नाराजगी है। समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

सेंट जॉन्स स्कूल में चौकी पुलिस ने 2100 बच्चों को साइबर सुरक्षा का दिया मंत्र

खरसिया साइबर अपराधों के प्रति प्रदेशवासियों को जागरूक करने छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सशक्त एवं इनोवेटिव साइबर जागृति अभियान के तहत खरसिया पुलिस ने सेंट जॉन्स स्कूल में वृहद साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रिकॉर्ड 2100 विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में पुलिस अधिकारी एवं जवान लगातार जिले में स्कूल, कॉलेज एवं विभिन्न संस्थानों तक पहुंचकर साइबर सुरक्षा का संदेश दे रहे हैं।

एसडीओपी ने बच्चों को बताया साइबर सुरक्षा का महत्व

एसडीओपी खरसिया सतीश भार्गव ने कहा कि साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता है। बच्चों को शुरू से ही सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की आदत डालनी चाहिए और किसी भी अनजान लिंक, कॉल या

ऑनलाइन ऑफर पर भरोसा करने से पहले अपने अभिभावकों से सलाह लेनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने के साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की। 2100 बच्चों के बीच साइबर सुरक्षा के ब्रांड एंबेसडर बने निरीक्षक त्रिपाठी सेंट जॉन्स स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में चौकी प्रभारी खरसिया निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए साइबर अपराधों के बढ़ते स्वरूप और उनसे बचने के आसान उपाय बताए। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि साइबर अपराधी बच्चों और युवाओं को भी अपना निशाना बना रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग, अनजान लिंक, फर्जी ऑफर, सोशल मीडिया पर अज्ञात लोगों से बातचीत तथा लालच देने वाले मैसेज के जरिए साइबर ठगी का शिकार बनाया जा सकता है। जागरूकता की एक सेल्फी लेकर साइबर सुरक्षा का संदेश सोशल मीडिया के माध्यम से आगे बढ़ाने के

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने मॉकड्रिल, 4 लोगों का किया गया सफल रेस्क्यू

छुईखदान । जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच बाढ़ जैसी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा छुईखदान क्षेत्र में बाढ़ आपदा प्रबंधन की मॉकड्रिल आयोजित की गई। मॉकड्रिल के दौरान जिला बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष को सूचना दी गई कि बाढ़ के कारण प्रभावित लोगों को ले जा रही नाव पलट गई है और चार लोग पानी में फंस गए हैं। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत एवं बचाव दलों को घटनास्थल के लिए रवाना किया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से विभिन्न संचार माध्यमों के जरिए प्राप्त भारी वर्षा एवं बाढ़ की चेतावनी को देखते हुए जिला, अनुविभाग एवं तहसील स्तर पर संचालित बाढ़ आपदा राहत केन्द्रों को पहले से ही सतर्क किया गया था। इसी दौरान छुईखदान बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष से जिला बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष को सूचना

दी गई कि बाढ़ के कारण नाव पलट गई है और प्रभावित लोगों को तत्काल बचाव की आवश्यकता है।

सूचना प्राप्त होते ही जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पदेन अधिकारियों ने बिना समय गंवाए बचाव कार्य शुरू कराया। स्थानीय आपदा मित्रों एवं स्थानीय तैराकों को तत्काल बचाव कार्य के लिए सक्रिय किया गया। अनुविभागीय अधिकारी ने तहसील स्तर के नोडल अधिकारी से संपर्क स्थापित कर आवश्यक निर्देश प्रसारित किए। साथ ही राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को घटनास्थल पर तत्काल पहुंचने के निर्देश दिए गए।

तेज बहाव के बीच चार लोगों का सफल रेस्क्यू

मॉकड्रिल के दौरान बाढ़ के तेज बहाव में फंसे चार लोगों के बचाव की कार्रवाई का प्रदर्शन किया गया। एसडीआरएफ, आपदा मित्रों एवं स्थानीय तैराकों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए चारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच बचाव दल ने रेस्क्यू बोट, रस्सियों और सुरक्षा उपकरणों की मदद से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। रेस्क्यू के दौरान एक व्यक्ति की हालत गंभीर दर्शाई गई। पानी में फंसने के कारण उसके बेहोश होने पर मौके पर ही प्राथमिक उपचार और सीपीआर देने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद सभी प्रभावितों को राहत शिविर में स्थानांतरित किया गया तथा गंभीर रूप से प्रभावित व्यक्ति को बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाने की कार्रवाई की गई। मॉकड्रिल के माध्यम से आपदा की स्थिति में सूचना प्राप्त होने से लेकर रेस्क्यू, प्राथमिक उपचार, राहत शिविर में स्थानांतरण और अस्पताल तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया को प्रदर्शित किया गया।

जलती दुकान के ऊपर फंसे 5 परिवारों के 14 लोगों की बचाई जान

जांजगीर-चांपा । देर रात पुलिस की सजगता, जांबाजी और मानवीय संवेदनशीलता के चलते एक बहुत बड़ी जनहानि और आगजनी की घटना टल गई। गश्त पर निकली अकलतरा पुलिस टीम ने जलती हुई इमारत की पहली मंजिल पर फंसे 5 परिवारों के 14 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जान बचाई। मिली जानकारी के अनुसार अकलतरा पुलिस का रात्रि गश्त दल देर रात करीब 2:30 बजे अम्बेडकर चौक स्थित सिसोदिया कॉम्प्लेक्स के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान पुलिसकर्मियों की नजर 'नीरज कलेक्शन नामक कपड़ा दुकान पर पड़ी, जिससे आग की भीषण लपटें और धुएं का गुबार निकल रहा था। पुलिस ने तत्काल बिना

समय गंवाए आसपास के निवासियों को अलर्ट किया। जैसे ही पुलिस को जानकारी मिली कि दुकान के प्रथम तल पर परिवार निवास करते हैं, वैसे ही तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। सीढ़ियों पर थीं आग की लपटें, पुलिस बनी देवदूत प्रथम तल से नीचे उतरने वाली मुख्य सीढ़ियों पर आग की तेज लपटें और धुआं फैल चुका था, जिससे ऊपर फंसे लोगों का नीचे आना असंभव हो गया था। अकलतरा पुलिस ने तुरंत विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित कर पावर कट कराया और लंबी सीढ़ियों की व्यवस्था की। पुलिसकर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सीढ़ियों के सहारे पहली मंजिल पर मौजूद 5 परिवारों के 14 सदस्यों (4 बच्चे, 4 महिलाएं और 2 पुरुषों सहित अन्य लोग) को एक-एक कर सुरक्षित नीचे उतारा।

भारी बारिश के बीच किरारी में उमड़ा आस्था का सैलाब, नागपंचमी मेला एवं कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

अकलतरा । जनपद पंचायत अकलतरा के ग्राम पंचायत किरारी में नागपंचमी के अवसर पर आयोजित क्षेत्र का प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक नागपंचमी मेला तथा कबड्डी प्रतियोगिता हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। भारी बारिश के बावजूद मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। नाग देवता के दर्शन एवं पूजन के लिए लाखों श्रद्धालु किरारी पहुंचे। मंदिर परिसर में दूध-लाई, नारियल एवं अन्य पूजन सामग्री चढ़ाने के लिए लंबी कतारें लगी रहीं।श्रद्धालुओं में नाग देवता के प्रति गहरी आस्था देखने को मिली। मनोकामना पूर्ण होने पर अनेक श्रद्धालु जमीन नापते हुए गुरुवाईंन दाई मंदिर तक पहुंचे। मंदिर परिसर में शिवाभिषेक किया गया। ग्राम पंचायत एवं मेला समिति की ओर से सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं को खीर-पुड़ी, दूध-लाई एवं नारियल का प्रसाद वितरित किया

गया।मेले के अवसर पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में जिले सहित अन्य जिलों से भी टीमें शामिल हुईं। समयाभाव के चलते समिति द्वारा कुल 32 टीमों को प्रतियोगिता में खेलने का अवसर दिया गया। फाइनल मुकाबला रोमांचक रहा और बड़ी संख्या में दर्शक मैच देखने के लिए मौजूद रहे।प्रतियोगिता में रलिया की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए 10,000 नगद, टी-शर्ट एवं शील्ड हासिल की। तखतपुर की टीम द्वितीय रही, जिसे 7,000, टी-शर्ट एवं शील्ड प्रदान की गई। नवागांव की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और उसे 5,000, टी-शर्ट एवं शील्ड से सम्मानित किया गया। वहीं साबर की टीम को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 3,000, टी-शर्ट एवं शील्ड प्रदान की गई।व्यक्तिगत पुरस्कारों में बेस्ट कैचर का पुरस्कार तखतपुर के अजय यादव तथा बेस्ट रेडर का पुरस्कार रलिया के नागेश्वर को दिया गया।विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेला समिति एवं अतिथियों सरपंच अशोक कुमार कश्यप, रमेश चंद श्याम, डॉ. हेमंत कश्यप, फूल सिंह जगत एवं कमल कश्यप ने पुरस्कार प्रदान किए।

सिर्राभाठा स्कूल के बच्चों ने बैंक पहुंचकर सीखा खाता खोलने और एटीएम से पैसे निकालने का तरीका

बालोद । शिक्षा को व्यवहारिक नुभव से जोड़ने के लिए शासकीय प्राथमिक शाला सिर्राभाठा के कक्षा पांचवी के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया। कक्षा शिक्षक नरेन्द्र कुमार ठाकुर के नेतृत्व में बच्चे पर्यावरण विषय के पाठ-8 बैंक से संबंधित अनुभव प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, हल्दी पहुंचे। बैंक प्रबंधक अंबिका कुमारी से अनुमति लेकर बच्चों को बैंक के अंदर ले जाया गया। प्रबंधक ने बच्चों को अपने केबिन में बुलाकर बैंक खाता खुलवाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। बैंक कर्मचारी अजय कुमार सिन्हा ने बच्चों को निकासी फार्म और जमा पर्ची भरना सिखाया। वहीं कैशियर के रूप में उपस्थित अतुल मैत्री,

निधि सोनी, प्रणाली प्रशांत तांबे एवं तोषण साहू ने बच्चों के साथ मधुर व्यवहार करते हुए बैंकिंग की प्रक्रिया समझाई और बच्चों के साथ फोटो भी खिंचवाई।

शिक्षक नरेन्द्र कुमार ठाकुर ने बच्चों को एटीएम मशीन से पैसा निकालने की प्रक्रिया को लाइव डेमो के माध्यम से दिखाया। इससे बच्चों ने पहली बार एटीएम का उपयोग प्रत्यक्ष रूप से देखा और सीखा।

बलौदाबाजार में 200 बिस्तर के ईएसआईसी अस्पताल की पहल, दिल्ली में हुई सकारात्मक चर्चा

बलौदाबाजार को बड़ी सौगात दिलाने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की पहल

बलौदाबाजार। औद्योगिक जिले बलौदाबाजार में श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात कर बलौदाबाजार में 200 बिस्तर वाले सर्वसुविधायुक्त ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय मंत्री ने इस जनहित के मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है।

जिले में बड़ी संख्या में सीमेंट, पावर और स्टील उद्योगों के साथ लघु एवं मध्यम उद्योग संचालित हैं। इन संस्थानों में हजारों श्रमिक कार्यरत हैं। गंभीर बीमारी अथवा औद्योगिक दुर्घटना की स्थिति में बेहतर उपचार के लिए मरीजों को रायपुर सहित अन्य बड़े शहरों की ओर जाना पड़ता है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर आधुनिक अस्पताल की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही है।

18 हजार से अधिक बीमितों को लाभ

जिले में वर्तमान में 17,942 पंजीकृत कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि सामाजिक सुरक्षा के तहत 18,308 बीमित व्यक्ति ईएसआईसी की सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। ईएसआईसी के माध्यम से श्रमिकों और उनके परिवारों को उपचार के साथ बीमारी, मातृत्व तथा कार्यस्थल दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा भी मिलती है।

प्रदेश में 31 मार्च 2025 तक 15,66,430 कर्मचारी ईएसआईसी में पंजीकृत थे। वहीं राज्य में कुल 37,283 नियोजक पंजीकृत हैं, जिनमें 13,426 सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

बलौदाबाजार में 200 बिस्तर का ईएसआईसी अस्पताल स्थापित होने से औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर और समय पर उपचार की सुविधा मिलने की उम्मीद है। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में दूसरे शहरों पर निर्भरता भी कम होगी।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अंतर्गत डिजिटल स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र मे जिले की उपलब्धि

बलौदाबाजार। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अंतर्गत डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी रूप से लागू करने तथा स्वास्थ्य संबंधी डिजिटल रिकॉर्ड के बेहतर प्रबंधन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार को राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली संस्था के रूप में प्रशस्ति पत्र लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदान किया। यह सम्मान आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, स्टेट मॉडल डिस्ट्रिक्ट,फैसिलिटीज, राज्य स्तरीय उद्घाटन कार्यशाला मे प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संजीव कुमार झा तथा संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण भारत सरकार विक्रम पगारिया उपस्थित रहे।

कार्यशाला का आयोजन 19 अगस्त 2026 को रायपुर में किया गया जिसमें राज्य स्तर पर आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के क्रियान्वयन एवं डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की गई।

जिला चिकित्सालय बलौदा बाजार द्वारा एबीडीएम एवं हेल्थ रिकार्ड लिंकिंग के क्षेत्र में किए गए प्रभावी कार्य को राज्य स्तर पर सराहा गया। अस्पताल में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने, स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल माध्यम से लिंक करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के परिणामस्वरूप यह उपलब्धि हासिल हुई है।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने इस

उपलब्धि पर जिला चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य टीम को बधाई देते हुए कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से मरीज-केंद्रित, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत करने में सहायता मिलेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण डिजिटल स्वास्थ्य पहल है, जिसका उद्देश्य देश में एक मजबूत, सुरक्षित और आपस में जुड़े हुए डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र का निर्माण करना है इसके माध्यम से मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से व्यवस्थित करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने तथा विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के बीच बेहतर आदान-प्रदान की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मिथिला महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया सावन झूला महोत्सव

राजनांदगाव। सावन झूला महोत्सव मिथिला महिला मंडल के द्वारा धूमधाम से मनाया गया राजनंदगांव ममता नगर स्थित अशोक चौधरी निवास में सावन झूला महोत्सव का आयोजन आज किया गया था इस अवसर पर मिथिला महिला मंडल के सदस्य गण उत्साह पूर्ण वातावरण में श्री कृष्ण चंद्र भगवान और श्री भोलेनाथ भगवान के भजन कीर्तन के माध्यम से सावन झूला उत्सव मनाया गया। प्रतिवर्ष सावन महीने में झूला उत्सव मनाया जाता है ज्ञात हो कि इस समय लड्डू गोपाल को झूला में विराजमान कर प्रत्येक घरों में विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना की जाती है शहर के मंदिरों में भी कृष्ण भगवान को झूला में बिठाकर भक्तों के द्वारा झूला झुलाया जाता है यह क्रम जन्माष्टमी 4 सितंबर तक अनवरत जारी रहेगा।

युगांतर पब्लिक स्कूल में आयोजित अंतर-विद्यालय वाणिज्य प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने लहराया परचम

राजनांदगांव। वाणिज्य विषय में गहन ज्ञान, सृजनात्मक सोच और आत्मविश्वास से परिपूर्ण प्रस्तुति देते हुए संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल, ठाकुरटोला, राजनांदगांव के विद्यार्थियों ने विद्यालय का नाम एक बार फिर गौरवान्वित किया है। युगांतर पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में आयोजित अंतर-विद्यालय वाणिज्य प्रतियोगिता स्पेक्ट्रा-2026 में विद्यालय की टीम ने ओवरऑल चैंपियनशिप का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली प्रतियोगिता में क्षेत्र के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया, किंतु संस्कारसिटी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता, त्वरित निर्णय क्षमता और सामूहिक तालमेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर एकतरफा और ऐतिहासिक जीत दर्ज की। विद्यार्थियों की तार्किक प्रस्तुति,

आत्मविश्वास से भरी वाकपटुता और रचनात्मक सोच ने निर्णायक मंडल के साथ-साथ वहां उपस्थित समस्त दर्शकों को भी गहराई से प्रभावित किया, जिसकी सराहना कार्यक्रम भर होती रही।

प्रतियोगिता के विजेता वर्ग

1. वाणिज्य प्रश्नोत्तरी (Commerce Quiz Competition)
2. विज्ञापन मंचन (Ad Mad Show)
3. बिजनेस आइकॉन प्रस्तुति (Business Icon Presentation)
4. व्यावसायिक प्रस्तुति (The Pitch Room) विद्यालय की इस अभूतपूर्व सफलता के पीछे विद्यार्थियों मुकुल भोई, दीपक क्षत्रिय, मयंक मंडावी, अंकित भारती, अनन्या दाण्डेकर एवं शिवान्या मिश्रा की अथक मेहनत, अनुशासन और शानदार टीमवर्क का विशेष योगदान रहा। इन सभी विद्यार्थियों ने महीनों की तैयारी, अभ्यास और लगन से इस उपलब्धि को साकार किया।

भाटापारा में पुलिस की कार्यप्रणाली पर विधायक इन्द्र साव नाराज, एसपी से की निष्पक्ष जांच की मांग

भाटापारा। भाटापारा क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर विधायक इन्द्र साव ने नाराजगी जताते हुए पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। विधायक साव अलग-अलग मामलों की शिकायत लेकर एसपी के पास पहुंचे और मामलों में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की मांग की।

विधायक इन्द्र साव ने गुर्रा, दौरेंगा, दतरेंगी और सेमरिया (ब) में हुई मौतों के मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके साथ ही विधायक ने सिंगारपुर में अवैध शराब के कारोबार पर कार्रवाई तथा फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी एसपी के समक्ष रखी।

इस दौरान विधायक इन्द्र साव ने पीड़ित पक्ष के लोगो के साथ एसपी से मिले और सभी मामलों में निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की। विधायक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यदि दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो थाना घेराव कर आंदोलन किया जाएगा।

विधायक ने पुलिस प्रशासन से सभी मामलों में गंभीरता और निष्पक्षता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

केसरी नंदन लॉन में महिलाओं ने उत्साह के साथ लिया विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा

डोंगरगढ़। सावन मास और हरियाली तीज के पावन अवसर पर योग विद्या ग्रुप द्वारा केसरी नंदन लॉन में सावन एवं हरियाली तीज उत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-संवरकर भाग लिया और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से सावन की खुशियों को साझा किया। पूरे आयोजन के दौरान गीत-संगीत, नृत्य और खेलों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने वातावरण को उल्लास से भर दिया।

कार्यक्रम का आयोजन योग शिक्षिका विद्या आंबादे की देखरेख में किया गया। उन्होंने सावन और हरियाली तीज के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को एक-दूसरे से जुड़ने, अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को उत्साहपूर्वक मनाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता भी जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

उत्सव के दौरान विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। खेल प्रतियोगिताओं के दौरान प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। वहीं नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। सावन के गीतों और मनमोहक प्रस्तुतियों

पर महिलाएं ने जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम में हंसी-खुशी और आपसी मेल-जोल का ऐसा वातावरण बना रहा कि सभी प्रतिभागी उत्सव की यादों को अपने साथ लेकर लौटे।

हरियाली तीज भारतीय संस्कृति में महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखने वाला पर्व है। सावन की हरियाली, झूले, लोकगीत, श्रृंगार और पारंपरिक उत्सव इस पर्व की विशेष पहचान हैं। इसी सांस्कृतिक भावना को ध्यान में रखते हुए योग विद्या ग्रुप द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी पारंपरिक रंग देखने को मिला। महिलाओं ने एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं और पर्व की खुशियां साझा कीं। आयोजन में बाली आंबादे, बिंदु आंबादे, ममता साखरे, प्रियंका सिंह, रानू साखरे, रेखा सहारे, रेखा बडोले, पूजा सिंह, खुशी शर्मा, अर्चना टेम्भूर्णीकर, अनीता श्रीवास, भावना एवं पविता साखरे सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित

जिले में अब तक 819.3 मिमी औसत वर्षा की गयी दर्ज

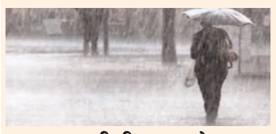

एमसीबी। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 01 जून से 20 अगस्त तक 819.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 952.9 मिमी कोटाडोल तहसील में तथा न्यूनतम 615.9 मिमी खड़गवां तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील मनेन्द्रगढ़ में 923.2 मिमी, तहसील चिरमिरी में 852.1 मिमी, तहसील केल्हारी में 647.0 मिमी, तहसील भरतपुर में 924.5 मिमी तथा तहसील कोटाडोल में 952.9 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

बलौदाबाजार। पूर्व प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के निर्माता स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कांग्रेसजनों ने उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी के देश के प्रति योगदान और उनके विचारों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के पश्चात कांग्रेसजन राजीव गांधी चौक (गार्डन चौक) पहुंचे, जहां उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के सपनों के भारत के निर्माण तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे,

पूर्व विधायक जनक राम वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश यदु, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष परमेश्वर यदु, जिला कोषाध्यक्ष हेमचंद केसरवानी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष प्रवीण सेन, जिला महामंत्री सुनील साहू व समीर अग्रवाल, पूर्व ग्रामीण अध्यक्ष विक्रम गिरी, जनपद सदस्य आर्यन शुक्ला, सुरेंद्र यादव, शहर महामंत्री मोहन साहू, शहर उपाध्यक्ष डिगेश्वरी रविंद्र नामदेव, नेता प्रतिपक्ष सलमान शेख, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल, जिला महामंत्री लखेश साहू, सुखदेव साहू, जातिराम साहू, राजू रजक, सुंदरलाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

ग्राम बुंदेली में हुआ आयोजन, चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता

छुईखदान। वन महोत्सव के अवसर पर ग्राम बुंदेली स्थित शासकीय हाई स्कूल मैदान में छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की थीम एक पेड़ माँ के नाम एवं वृक्ष लगाएँ, पर्यावरण बचाएँ रखी गई। वन महोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने अपनी सुंदर एवं रचनात्मक कलाकृतियों के माध्यम से वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और हरियाली का संदेश दिया।

कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र अधिकारी साहू, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि ज्योति जंघेल, सुरेंद्र जंघेल एवं राजकुमार तिवारी सहित ग्राम पंचायत के पंचगण, शाला के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों एवं शिक्षकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन के माध्यम से बच्चों में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं वन विभाग के कर्मचारियों ने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी हम सभी को निभानी चाहिए।

पेड़ हैं तो जीवन है, हरियाली है तो खुशहाली है।

वन महोत्सव का यह आयोजन बच्चों की रचनात्मकता के साथ-साथ समाज को पर्यावरण संरक्षण का सकारात्मक संदेश देने में सफल रहा।

राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया श्रद्धासुमन अर्पित

छुरिया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुमर्दा द्वारा भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि एवं स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्व. राजीव गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्र निर्माण, आधुनिक भारत के विकास तथा युवाओं के लिए किए गए योगदान को याद किया। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस प्रभारी कुमर्दा शिशुपाल भारती, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रताप सिंह घावड़े, पूर्व जिला पंचायत सदस्य कांति भंडारी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष लालचंद साहू, मंडल अध्यक्ष कुमर्दा दुर्गा महानादिया तथा खुर्सीपार सेक्टर प्रभारी शरद चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान लक्ष्मीनारायण साहू, देव पंद्रो, फकीर साहू, मोहन चुरेंद्र, मोती साहू, विजय भारद्वाज, कोमल साहू, राजनकुमार बोरकर, चंदू सिन्हा, कोमल सिंह मंडावी (एनएसयूआई), लक्की साहू (युवा कांग्रेस), हिमांशु सोनी (एनएसयूआई) सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मिनीमाता महिला अधिकारों की समर्थक और वंचित वर्गों की सशक्त आवाज थीं : संजय सिन्हा

छुरिया। शिकारीमहका में मिनीमाता जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ,इस अवसर पर मुख्य रूप से संजय कुमार सिन्हा अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया, रविन्द्र वैष्णव पूर्व महामंत्री, नैन सिंह पटेल उपाध्यक्ष मंडल भाजपा छुरिया ,शकुन कुंदन बडोले सरपंच मौजूद रहे । सर्वप्रथम मिनीमाता जी के मूर्ति पर पूजा अर्चना किया गया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि मिनीमाता जी छत्तीसगढ़ की महान समाज सेविका, महिला अधिकारों की समर्थक और वंचित वर्गों की सशक्त आवाज थीं। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज में समानता, शिक्षा और सम्मान के लिए समर्पित किया। मिनीमाता जी का जन्म असम में हुआ था, लेकिन छत्तीसगढ़ की जनता और समाज के उत्थान से उनका गहरा जुड़ाव रहा। वे स्वतंत्रता के बाद देश की

राजनीति में सक्रिय हुईं और लोकसभा की सदस्य भी रहीं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। वैष्णव ने बताया कि उनका मानना था कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिले। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों के विरोध और समाज में भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किया। मिनीमाता जी का जीवन हमें सिखाता है कि संघर्ष कितना भी कठिन क्यों न हो, यदि उद्देश्य समाज की भलाई हो तो निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। समाज के वरिष्ठ मंटू ,पवन खिलाड़ी,चोवा दास सहित बड़ी संख्या में लोगोजिद रहे ।

जब बच्चा एआई का अत्यधिक उपयोग करे तो पैरेंट्स को क्या पता होना चाहिए?

कल्पना कीजिए कि एक बच्चा होमवर्क को एआई टूल पर अपलोड करके कहता है, 'यह सवाल हल कर दो।' तुरंत उत्तर देने के बजाय टूल विनम्रता से कहता है, 'तुम्हारा होमवर्क जल्दी खत्म करने के लिए सीधे उत्तर पर जाने के बजाय क्या हम स्टेप-बाय-स्टेप समझ सकते हैं कि यह सवाल कैसे हल किया जाए?'

यह टूल स्टूडेंट्स को थीसिस तैयार करने में मदद कर सकता है, लेकिन उनके लिए पूरा निबंध नहीं लिखेगा। अगर कोई टीनएजर शॉर्टकट लेने की कोशिश करे तो 'रेस्पॉन्सिबल होमवर्क रिमाइंडर्स' उसे असाइनमेंट समझने की दिशा में मोड़ सकते हैं। इससे भी अधिक यह टूल छात्रों को किसी खास विषय में समझ और गहरी करने में मदद कर सकता है।

ये भविष्य के आइडिया नहीं हैं। एआई ने इस दिशा में बढ़ना शुरू कर दिया है, यानी बच्चों को सिर्फ होमवर्क निपटाने में मदद के बजाय उन्हें लर्निंग सिखाना। जो छात्र एआई को होमवर्क का शॉर्टकट मानने लगे हैं, उनकी इस आदत को एआई खुद बदलने की कोशिश कर रहा है।

चैटजीपीटी का 'स्टडी मोड' फाइनल जवाब देने के बजाय स्टूडेंट्स को किसी समस्या पर सोचने को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किया गया है। किसी सवाल को तुरंत हल करने के बजाय यह पूछ सकता है कि स्टूडेंट पहले से क्या जानता है, वह कहां अटका है और उसे अगले कदम के बारे में खुद सोचने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। यह धीरे-धीरे उसे कॉन्सेप्ट समझा सकता है, हिंट दे सकता है, उसकी समझ जांच सकता है और उससे सवाल तक पूछ सकता है।

यह शिक्षा में एआई के इस्तेमाल के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। चिंता अनिवार्य तौर पर यह नहीं कि बच्चे एआई इस्तेमाल कर रहे हैं। बड़ी चिंता तब होती है, जब वे विषय को समझे बिना असाइनमेंट पूरा करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

ओपनएआई ने एक्टिव पार्टिसिपेशन और गहरी समझ को प्रोत्साहित करने के लिए स्टडी मोड शुरू किया है। स्टूडेंट समस्याओं को स्टेप-बाय-स्टेप हल कर सकते हैं, स्टडी मटैरियल के बारे में सवाल पूछ सकते हैं और एआई को महज आंसर-जनरेटर के बजाय एक ट्यूटर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

पैरेंट्स के लिए एक और दिलचस्प बदलाव हुआ है। ओपनएआई के पैरेंटल कंट्रोल्स टीनएजर्स के पैरेंट्स को अकाउंट लिंक करने की सुविधा देते हैं। हर नई कन्वर्सेशन के लिए स्टडी मोड को डिफॉल्ट किया जा सकता है। इसलिए शिक्षा में एआई अब शायद नए दौर में प्रवेश कर रहा है।

सवाल अब सिर्फ यह नहीं कि 'हम बच्चों को होमवर्क के लिए एआई इस्तेमाल करने से कैसे रोकें?' सवाल शायद यह हो गया है कि 'हम कैसे सुनिश्चित करें कि बच्चे सोचने-समझने की ताकत एआई को आउटसोर्स किए बिना इसका इस्तेमाल कर सकें?' यही अंतर तय कर सकता है कि एआई बच्चे का शॉर्टकट बनेगा या ट्यूटर।

टीनएजर्स के शैक्षणिक अनुभवों को लेकर ओपनएआई का यह क्रिएशन ऐसे समय में आया है, जब अदालत में इंस्टाग्राम और फेसबुक की मालिक कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स पर युवाओं के मानसिक संकट में योगदान देने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

अमेरिका के चार राज्य मेटा के खिलाफ मुकदमा कर रहे हैं और इसी सप्ताह मंगलवार को शुरू हुए ट्रायल में मेटा से 1.4 ट्रिलियन डॉलर तक हर्जाने की मांग कर रहे हैं। स्वाभाविक तौर पर मेटा ने कोई भी गलत काम करने से इनकार किया है।

जब से लॉ-मेकर्स और वकीलों ने यह साक्ष्य जुटाना शुरू किया है कि सोशल मीडिया फीचर्स आत्मघाती प्रवृत्ति और ईटिंग डिसऑर्डर जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में योगदान दे रहे हैं तो इन बड़ी कंपनियों ने टीनएजर्स के लिए सुरक्षित माहौल बनाने संबंधी कई बदलाव किए हैं।

दिलचस्प यह है कि जब सिस्टम को पता चलता है कि कोई टीनएजर लंबे समय से एआई के साथ चैट कर रहा है तो यह उसे ब्रेक लेने की याद भी दिलाता है। अगर अकाउंट के साथ जुड़ी जन्मतिथि से यूजर के 13 से 17 साल का होने की जानकारी मिलती है तो उसका अनुभव अपने आप बदल जाएगा।

लेकिन अगर टीनएजर गलत उम्र डालकर 18 साल से ज्यादा उम्र वाले यूजर का अनुभव हासिल करने की कोशिश करता है तो ओपनएआई ने अब एज-प्रिडिक्शन मॉडल का इस्तेमाल शुरू किया है। यह मॉडल करीब 2 हजार संकेतों पर आधारित है, जिनमें चैट के कंटेंट और समय शामिल हैं।

बहुत सारे नए रोजगार भी क्रिएट करेगा एआई

तो क्या एआई हमारी नौकरियां खाने जा रहा है? अभी तो कोई नहीं जानता कि यह कितनी तेजी से होगा, कितना व्यापक होगा और इसका सबसे अधिक असर किन सेक्टर्स पर पड़ेगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि अलग-अलग कंपनियां इस तकनीक को अपने कामकाज में कितनी तेजी से लागू करती हैं।

अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के हालिया बिजनेस ट्रेंड्स एंड आउटलुक सर्वे के अनुसार, 20 से कम कर्मचारियों वाली केवल 20% कंपनियां ही वर्तमान में एआई का इस्तेमाल करती हैं, जबकि कम से कम 250 कर्मचारियों वाले 37% बिजनेसों में एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी बड़ी कंपनियां इस तकनीक का अधिक उपयोग कर रही हैं, लेकिन 37% का आंकड़ा भी कम ही है।

फिलहाल, एआई को अपनाने की राह में एक बड़ी बाधा यह है कि पहले से ही असाधारण क्षमताओं वाली इस तकनीक को मौजूदा वर्कफ्लो में इस तरह से कैसे समायोजित करें कि कंपनियां उसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके लिए ऐसे मॉडल जरूरी हैं, जो न केवल मौजूदा डेटा पर प्रशिक्षित हों, बल्कि रोजमर्रा के इस्तेमाल से पैदा होने वाले नए डेटा के प्रति एडाप्टिव भी हों।

एआई को अपनाने में बाधा डालने वाला एक अन्य फैक्टर लागतों को लेकर अनिश्चितता है। कई बड़ी कंपनियां अभी भी पायलट प्रोजेक्ट चला रही हैं और नियुक्ति या छंटनी के फैसले टाल रही हैं, क्योंकि वे स्थिति के और स्पष्ट होने का इंतजार कर रही हैं। लेकिन प्रतिस्पर्धात्मक दबाव उन्हें इस तकनीक को अपनाने के लिए मजबूर करेगा ही।

इसके बावजूद, रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। अगर कंपनियां वही वस्तुएं बनाती और वही सेवाएं उपलब्ध कराती रहती हैं- जो वे अभी करती हैं- तो एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। हां, कुछ नौकरियां जरूर गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव और दिलचस्प भी होंगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि एआई ऊबाऊ और दोहराव वाले कामों को कम करेगा और उन कामों में मदद करेगा, जिन्हें इंसान ज्यादा अच्छी तरह से नहीं कर पाते हैं।

साथ ही, नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की, जो इस तकनीक के इंप्लीमेंटेशन की निगरानी करेंगे। इसके अलावा, अगर एआई को अपनाने की वजह प्रोडक्टिविटी में वृद्धि है (यह नहीं कि यह मानव-श्रम की तुलना में सस्ता पड़ता है), तो कंपनियों की कम लागत में अधिक उत्पादन करने की क्षमता उन्हें कीमतें घटाने और बिक्री बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। यह प्रसिद्ध जेवन्स-इफेक्ट है और इससे रोजगार भी बढ़ने चाहिए। आशावादी होने का एक और कारण यह है कि एआई नए बिजनेस खड़े करने में मदद कर सकता है।

मान लीजिए कि कोई व्यक्ति फर्नीचर बनाने का कारोबार शुरू करना चाहता है, लेकिन वह इसलिए हिचकिचाता है क्योंकि इसके लिए उसे एक वेब-प्रोग्रामर और अकाउंटेंट की जरूरत है। अगर एआई ये दोनों भूमिकाएं निभा सके, तो शायद वह काफी कम लागत में एकल स्वामित्व वाला व्यवसाय शुरू कर सकता है। महामारी के दौरान स्टार्टअप की संख्या पहले ही काफी बढ़ गई थी और हाल की तिमाहियों में इसमें और वृद्धि हुई है।

अर्थशास्त्री डेविड ऑटर बताते हैं कि एआई मध्यम कौशल वाले कामगारों को हाई-स्किल्स से लैस कर सकता है। इसका उदाहरण कोई नर्स प्रैक्टिशनर है, जो मेडिकल एआई की मदद से कहीं अधिक बीमारियों की पहचान और इलाज कर सकती है। दुनिया भर में चिकित्सा-सेवाओं की भारी मांग को देखते हुए इस क्षेत्र में नए रोजगार पैदा करने की काफी गुंजाइश है।

यह समझते हुए कि एआई के कारण नौकरियों के संकट का पहला दौर आखिरी नहीं होगा, कंपनियों को समय-समय पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और जहां तक संभव हो, उन्हें नौकरी पर बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत होगी। सरकारें कर्मचारियों को दिए जाने वाले अतिरिक्त प्रशिक्षण के लिए टैक्स-क्रेडिट पर विचार कर सकती हैं, जिसमें कर्मचारी के काम पर बने रहने पर हर साल प्रशिक्षण की लागत का एक-तिहाई इस्तेमाल किया जा सके। अगर सरकार ऐसी नीति एआई अपनाने वाली कंपनियों पर लागू करना चाहती है, तो वो यह भी कर सकती है कि इस क्रेडिट का इस्तेमाल केवल टोकन टैक्स की भरपाई के लिए हो।

हालांकि, कर-प्रोत्साहनों से भी अधिक महत्वपूर्ण यह होगा कि कंपनियां स्वीकारें वे अपने कर्मचारियों को अनिश्चित भविष्य से निपटने में मदद करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे रोजगार को लेकर अनिश्चितता बढ़ेगी, सबसे योग्य और प्रतिभाशाली लोग भी ऐसे एम्प्लॉयर के यहां नौकरी स्वीकार करने को लेकर चिंतित हो सकते हैं, जो जब चाहे उन्हें नौकरी से निकाल सकता है। जो एम्प्लॉयर अपने कर्मचारियों को सहयोग देने का वादा करेंगे, उन्हें अंततः एक अतिरिक्त लाभ भी मिल सकता है : उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तो उनके पास चुनने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उम्मीदवारों का एक बड़ा पूल होगा।

रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। कुछ नौकरियां जरूर गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव भी होंगी। नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की।

ट्विशा मामले में कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिले हैं

'ये चार्जशीट एक मजाक है।'- यह बात ट्विशा शर्मा के पिता नवनिधि शर्मा ने मुझसे कही। उनकी आवाज कांप रही थी और गला रूंधा हुआ था। वे ट्विशा की मौत के चर्चित मामले में दाखिल की गई सीबीआई चार्जशीट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे।

क्योंकि सीबीआई इस नतीजे पर पहुंची है कि ट्विशा की मौत आत्महत्या से हुई थी। उनकी हत्या नहीं की गई थी। ट्विशा के भाई मेजर हर्षित ने कहा, सीबीआई ने हमें वह बताने में 90 दिन लगा दिए जिसका हमें पहले से अंदेशा था। उन्होंने मुझे उन बुनियादी सवालों की संख्या गिनाई, जिन्हें सीबीआई पूछने और उनका जवाब तलाशने में विफल रही थी। और वे सही हैं, क्योंकि सीबीआई की सार्वजनिक रूप से उपलब्ध अंतिम रिपोर्ट में कई गंभीर खामियां और विरोधाभास हैं।

सीबीआई के निष्कर्ष पूरी तरह से एम्स (दिल्ली) में हुए दूसरे पोस्टमार्टम पर आधारित हैं। ट्विशा के परिवार का कहना है कि सीबीआई ने मामले के सबसे चौंकाने वाले पहलू पर गहराई से पड़ताल नहीं की। सब-इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा ने घटनास्थल से उस लिगेचर (जिम बेल्ट) को जब्त किया था, जिसके बारे में सीबीआई का कहना है कि ट्विशा ने उसी से अपनी जान दी।

लेकिन शर्मा ने इस बेल्ट को दो दिनों तक अपने निजी वाहन में रखा और पहले पोस्टमार्टम के समय इसे जमा नहीं किया। इसलिए साक्ष्य के तौर पर इसकी विश्वसनीयता गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। ट्विशा के परिवार का कहना है दूसरे पोस्टमार्टम के समय भी यह बेल्ट मौजूद नहीं था। पोस्टमार्टम के दौरान इसे फॉरेंसिक लैब की जांच के लिए कहीं और भेज दिया गया था। इस तरह आत्महत्या के पक्ष में मामले की बुनियाद बनाने के लिए पेश किया जा रहा केंद्रीय साक्ष्य ही विवादों में घिरा हुआ है।

कई और सवाल हैं। अगर ट्विशा ने आत्महत्या की थी, तो उनके पति फरार क्यों हुए? उन्हें किसका डर था? फरारी के दौरान उन्हें किसने शरण दी थी? गिरिबाला सिंह ने परिवार में मौत होने के कुछ ही घंटों बाद उस सीसीटीवी विक्रेता को फोन क्यों किया, जिसने उनके घर में कैमरे लगाए थे?

उन्होंने वकीलों की एक टीम को उस ब्यूटी पार्लर में भी क्यों भेजा- जहां ट्विशा को अपनी मौत वाले दिन देखा गया था- ताकि वहां के लोगों पर दबाव डालकर सीसीटीवी फुटेज सौंपने के लिए मजबूर किया जा सके? गिरिबाला को उन फुटेज में इतनी दिलचस्पी क्यों थी?

क्या इसलिए कि उन फुटेज में ट्विशा बिल्कुल सहज नजर आ रही थीं, जबकि कुछ घंटे बाद कथित रूप से जान देने जा रहा व्यक्ति वैसी मनोदशा में नहीं हो सकता? और हम इस पर कैसे यकीन करें कि गिरिबाला ने अपने ही घर में सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं की होगी, जबकि उनके पास ऐसा करने के लिए 10 दिन का समय था?

चार्जशीट में ट्विशा की ऐसी छवि पेश की गई है, जिसमें वे सास और पति के भावनात्मक उत्पीड़न के कारण मानसिक रूप से परेशान थीं और आत्महत्या के लिए मजबूर हो गई थीं। 12 मई को अपनी मौत वाले दिन भेजे गए ट्विशा के अंतिम वॉट्सएप मैसेज को रिपोर्ट में कोट किया गया है।

इसमें उन्होंने अपनी ननद राशि अबरोल से कहा था- 'उससे कहो कि अपनी पत्नी के बचे हुए अवशेष ले जाए। लेकिन कल। मुझे अभी शांति से मरने दो।' लेकिन राशि ने मुझसे बातचीत में कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है यह मैसेज ट्विशा ने भेजा था। वे इस मैसेज से हैरान रह गई थीं, क्योंकि ट्विशा अपने माता-पिता के घर लौटने की पूरी तैयारी कर चुकी थीं। उन्होंने नौकरी पाने के लिए अपने पूर्व एम्प्लॉयर्स से भी संपर्क किया था।

उसी शाम को ट्विशा ने राशि को मैसेज भेजकर बताया था कि उनके पति हिंसक और आक्रामक हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि समर्थ ट्विशा पर उनके 20 लाख रुपये उसे ट्रांसफर करने का दबाव भी बना रहा था। रात 10 बजे के बाद- जब ट्विशा ने आखिरी बार अपनी मां से बात की- तब भी उन्होंने दोहराया था कि समर्थ बहुत आक्रामक हो रहा था। इसके बाद वे मृत पाई गईं। पहले पोस्टमार्टम में ट्विशा के शरीर पर मौत से पहले लगी सात चोटें दर्ज की गई थीं, जिनमें सिर पर लगी चोट भी शामिल थी। लेकिन दूसरे पोस्टमार्टम में दावा किया गया है कि मेडिको-लीगल महत्व की कोई चोट नहीं पाई गई है। जबकि खुद सीबीआई की रिपोर्ट में ट्विशा का यह आरोप दर्ज है कि समर्थ हिंसक व्यवहार कर रहा था।

सीबीआई रिपोर्ट में गिरिबाला की बड़ी बहू को भी प्रताड़ित किए जाने का विवरण है। ऐसे में ट्विशा के परिवार की हताशा समझी जा सकती है। सच्चाई की तलाश में हमें भी उनकी आवाज में अपनी आवाज मिलाते हुए और कठिन सवाल पूछने चाहिए।

पहले पोस्टमार्टम में ट्विशा के शरीर पर मौत से पहले लगी सात चोटें दर्ज की गई थीं, जिनमें सिर पर लगी चोट भी शामिल थी। लेकिन दूसरे पोस्टमार्टम में दावा किया गया है कि मेडिको-लीगल महत्व की कोई चोट नहीं पाई गई है। **(ये लेखिका के अपने विचार हैं)**

सिविक-सेंस सुधारे बिना हम विकसित नहीं कहला सकते

इंटरनेट पर 'डु इंडियंस लैक सिविक-सेंस' खोजकर देखिए और आप चकित रह जाएंगे। ऐसे कंटेंट की भरमार है, जिसमें लोग हमारे नागरिकता-बोध पर खेद जताते नजर आते हैं। बात सड़कों, पर्यटन स्थलों, हिल स्टेशनों पर कूड़ा फेंकने तक ही सीमित नहीं है, दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों- जैसे बुर्ज खलीफा, एफिल टावर या वियतनाम की ट्रेन-स्ट्रीट पर भारतीयों द्वारा नाचने, ट्रेनों में गंदगी करने, कतार तोड़ने और जरूरतमंद लोगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का दुरुपयोग करने की भी शिकायतें अब आम होने लगी हैं।

एक भारतीय के रूप में यह सब देखना और पढ़ना लज्जास्पद लगता है। इससे विदेशों में हमारी छवि पर बट्टा लगता है। ऐसी खबरें भी आती हैं कि विदेशी होटलों में भारतीयों को व्यवहार संबंधी विशेष निर्देश दिए जाने लगे हैं। हमें इसे सुधारना होगा।

हम सभी ने अपने साथी नागरिकों में सिविक-सेंस की कमी को देखा भी है और उसका खामियाजा भी भुगता है। भारतीय सड़कें इस बात का क्लासिक उदाहरण हैं कि हम दूसरों के हितों के प्रति कितने उदासीन हैं। जबकि सिविक-सेंस की परिभाषा ही यह है कि व्यक्ति इस तरह व्यवहार करे कि उसे एहसास हो सार्वजनिक स्थान और व्यवस्थाएं केवल उसके ही नहीं, सभी के लिए हैं।

एक समाज के रूप में हम ऐसा क्यों सोचते हैं कि हमें जो कुछ मिल सकता है, उसे छीन या झपट लेना चाहिए, फिर बाकी लोगों का चाहे जो हो। शायद यह एक कठोर माहौल में जीने का परिणाम है, जहां संसाधन सीमित हैं, नियमों को लचीला समझा जाता है, ताकत की तूती बोलती है और यह मान लिया गया है कि हर व्यक्ति अपने ही भरोसे है।

सड़कों पर कचरा फेंकना, ट्रैफिक सिग्नल तोड़ना, सार्वजनिक जगहों पर थूकना, देर रात तक तेज आवाज में संगीत बजाना, कतार तोड़ना, अवैध पार्किंग करना और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना : क्या ये बातें जानी-पहचानी लगती हैं? मुझे यकीन है कि लगती होंगी, क्योंकि हमने अपने आसपास पूरी जिंदगी यही सब देखा है।

क्या सभी भारतीयों में सिविक-सेंस की कमी है? ऐसा सामान्यीकरण तो गलत होगा। बहुसंख्य भारतीय ऐसे भी हैं, जो अच्छा व्यवहार करते हैं। लेकिन वायरल रीलों के दौर में बुरी चीजें बार-बार देखी और साझा की जाती हैं, जिससे धारणा बन जाती है कि सभी ऐसे हैं।

इसे कैसे ठीक करें? क्या यह केवल खराब शिक्षा और सख्त नियमों की कमी का मामला है? क्या एनसीईआरटी की किताबों के जरिए बच्चों को कूड़ा न फैलाने की शिक्षा देने और यूरोप की तर्ज पर भारी-भरकम ट्रैफिक जुर्माना लगाने भर से यह ठीक हो जाएगा? दुर्भाग्य से, समाधान इतना सरल नहीं है।

यकीन मानिए, टोक्यो, सिंगापुर और सियोल जैसे शहर- जो आज बेहतरीन सिविक-सेंस के उदाहरण हैं- दशकों पहले इसी तरह की समस्याओं से जूझते थे। उन्होंने इसे कैसे ठीक किया, यह जानने के लिए पहले यह समझना जरूरी है कि सिविक-सेंस का ह्रास कैसे होता है। आम तौर पर इसकी चार स्थितियां होती हैं। पहली, बुनियादी ढांचे का अभाव।

दूसरी, नियमों में ढील। तीसरी, अत्यधिक घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र, जहां व्यवस्था पर जरूरत से ज्यादा दबाव पड़ता है। और चौथी, तेजी से होता शहरीकरण, जिसके चलते लोग लगातार बड़े शहरों में आते तो हैं, लेकिन वहां अपनाए जाने वाले व्यवहार और नियमों की उन्हें समझ नहीं होती। ये तमाम परिस्थितियां भारत में मौजूद हैं।

भारत में लाल बत्ती पार करने वालों में से कितनों पर जुर्माना लगाया जाता है? कैमरों की मदद से ऐसा किया जा सकता है और इससे सरकार को राजस्व भी मिलेगा। कूड़ा फैलाने वालों में से कितनों से हर्जाना वसूला जाता है? हर्जाने की राशि भले कम हो, लेकिन इसका अनिवार्य होना जरूरी है। भारत के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर से सीखें। वहां स्थिति यह हो गई है कि नागरिकों के लिए अपने शहर को साफ रखना गर्व की बात बन गई है। दूसरे शहर भी ऐसा कर सकते हैं।

याद रखें कोई देश तब तक विकसित नहीं कहला सकता, जब तक उसके नागरिकों में सिविक-सेंस न हो और वे अपने पब्लिक-स्पेसेस को साफ-सुथरा न रख सकें। हमारे यहां तो उलटे बेतरतीबी और जुगाड़ को महिमामंडित किया जाता है, लेकिन ये विकास के इंडिकेटर नहीं हो सकते। भारत में लाल बत्ती पार करने वालों में से कितनों पर जुर्माना लगाया जाता है? कूड़ा फैलाने वालों में से कितनों से हर्जाना वसूला जाता है? जुर्माने और हर्जाने की राशि भले कम हो, लेकिन इनका अनिवार्य होना जरूरी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

काम पूरा होने के बाद बदलाव के प्रति भी जागरूक बने रहें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

जीवन में जब भी कोई काम हाथ में लें, तो उसे केवल पूरा करने की दृष्टि से न देखें, बल्कि उसके हर चरण को समझते हुए आगे बढ़ें। किसी भी कार्य की सफलता के लिए चार चरण महत्वपूर्ण होते हैं—आरंभ, मध्य, अंत और अंत के बाद पुनः शुरुआत। यदि इन चारों चरणों को समझ लिया जाए, तो व्यक्ति अपने काम के साथ-साथ जीवन में आने वाले बदलावों के लिए भी तैयार रह सकता है।

पहला चरण है आरंभ। जब कोई नया काम शुरू करें तो उत्साह के साथ पूरी सावधानी भी रखें। इसी समय यह तय होता है कि हमें कौन-सा काम करना है और किस दिशा में आगे बढ़ना है। सही शुरुआत आगे की यात्रा को आसान बनाती है। इसलिए शुरुआत केवल उत्साह में नहीं, बल्कि सोच-विचार और योजना के साथ होनी चाहिए।

दूसरा चरण है मध्य। इस समय काम पर हमारी पूरी पकड़ होनी चाहिए। शुरुआत में बनाई गई योजना को व्यवहार में उतारते हुए अपने अनुभव, ज्ञान और क्षमता का पूरा उपयोग करना चाहिए। बीच में आने वाली परेशानियों से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना ही कर्मयोगी की पहचान है।

तीसरा चरण है अंत। जब काम अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच रहा हो, तब व्यक्ति के भीतर संतोष का भाव होना जरूरी है। यह संतोष तभी मिलता है, जब हमने अपनी क्षमता के अनुसार ईमानदारी और पूरी मेहनत से काम किया हो। काम पूरा होने के बाद थोड़ी देर रुककर अपनी ऊर्जा को फिर से संचित करना भी आवश्यक है।

लेकिन यहीं जीवन समाप्त नहीं होता। चौथा चरण है अंत के बाद पुनः शुरुआत। जीवन में किसी भी कार्य का अंत वास्तव में पूर्ण विराम नहीं होता। समय लगातार बदलता है और उसके साथ परिस्थितियां भी बदलती हैं। आज जो काम सफल है, कल उसकी जगह कोई नया काम, नई तकनीक या नई चुनौती सामने आ सकती है। इसलिए काम पूरा करने के बाद बदलाव के प्रति जागरूक रहना जरूरी है।

इसे कलाकार की प्रस्तुति से समझ सकते हैं। कलाकार का मंचन समाप्त हो जाता है, लेकिन उसकी कला समाप्त नहीं होती। इसी तरह कथावाचक कथा का समापन करते हैं, लेकिन कथा का संदेश और उसका प्रभाव निरंतर बना रहता है। जीवन भी ऐसा ही है। कर्म रुकता नहीं, केवल एक चरण पूरा करके दूसरे चरण में प्रवेश करता है।**

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

जब भगवान राम कैकेईजी (क्रिया) के भवन में पहुंचे तो प्रभु की शैली दूसरी है। महाराज श्रीदशरथ की शैली आसक्ति की थी। कैकेईजी में फलाकांक्षा का स्वरूप है। अब आप ध्यान से विचार करके यह देखें कि अगर भगवान राम के मन में यह फलाकांक्षा उत्पन्न हो गई होती कि आज मैं अयोध्या के सिंहासन पर बैठने वाला हूं तो वे जब कैकेईजी से यह सुनते कि उन्हें राज्य मिलने वाला नहीं है अपितु वन जाना पड़ेगा, तब अगर भगवान राम के मन में फलाकांक्षा होती तो भगवान श्रीराघवेंद्र के मन में भी तीन प्रकार की ही बातें आ सकती थी। क्योंकि तमोगुणी की इच्छा यदि पूरी नहीं होती है तो उसके अंत:करण में निराशा आती है और रजोगुणी व्यक्ति के जीवन में प्रतिहिंसा आती है, उसको क्रोध आता है, बदला लेने की

वृत्ति आती है और सतोगुणी व्यक्ति हो तो वह सह लेता है। इसका तात्पर्य है कि व्यक्ति की जब इच्छा पूरी नहीं होती, तब किसी के मन में निराशा, किसी में प्रतिहिंसा एवं क्रोध और किसी के जीवन में सहिष्णुता की वृत्ति आती है। पर भगवान राम कैकेई के भवन में जाकर दुखी क्यों नहीं हुए ? भगवान राम ने मानो अपने चरित्र के द्वारा यह बता दिया कि क्रिया का आश्रय लेकर भी दुखी कौन नहीं होगा ? बल्कि दुखी होना तो दूर रहा, गोस्वामीजी ने तो अपनी पंक्तियों के द्वारा भगवान राम के हर्ष का वर्णन करते हुए प्रभु का नाम बदलना प्रारंभ कर दिया।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

रेरा ने कलेक्टरों को भेजी चिट्ठी:50 से अधिक बिल्डरों के पास 11 करोड़ फंसे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 50 से ज्यादा डिफाल्टर बिल्डरों के पास आम लोगों के 11 करोड़ फंसे हैं। लोगों ने इन बिल्डरों से मकान, फ्लैट और जमीन खरीदने का सौदा किया था। रकम लेने के बाद भी इन बिल्डरों ने ऐसे लोगों को न तो प्रॉपर्टी दी और न ही अब तक रकम वापस की है।

छत्तीसगढ़ रेरा ने ऐसे सभी बिल्डरों से आम लोगों के पैसों की वसूली के लिए आरआरसी (राजस्व वसूली प्रमाणपत्र) को जब्त करने जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखा है। दावा किया जा रहा है कि दो से तीन साल में चार से पांच बार रिमाइंडर भी जारी किया गया है। इसके बावजूद किसी भी डिफाल्टर बिल्डर की आरआरसी अब तक जब्त नहीं की गई है। इस वजह से पीड़ित लोगों को भी कोई फायदा नहीं मिल पा रहा है।

रेरा की सूची में सबसे ज्यादा रकम रायपुर के बिल्डरों की है। केवल रायपुर जिले में ही डिफाल्टर बिल्डरों से 6.20 करोड़ की वसूली करना है। इसके बाद दुर्ग के बिल्डरों से 2.90 करोड़ की वसूली होनी है। राज्य का कोई भी बिल्डर डिफाल्टर हो जाए तो रेरा उसके खिलाफ और खरीदार के पक्ष में वसूली आदेश जारी कर जिला प्रशासन को भेजता है।

संबंधित जिलों के कलेक्टर और तहसीलदारों को इसकी वसूली करानी होती है। बिल्डर पैसे न दे तो प्रशासन को उसकी आरआरसी जब्त करने और उसे जेल भेजने तक का अधिकार है। लेकिन रायपुर समेत छह से ज्यादा जिलों में अभी तक किसी भी बिल्डर के खिलाफ कोई रिकवरी आदेश जारी नहीं किया गया है। कुछ साल पहले केवल राजनांदगांव में एक बिल्डर से चार लाख की वसूली के लिए आरआरसी जब्त की गई थी।

क्या है आरआरसी, इसे कैसे जब्त किया जा सकता है

आरआरसी यानी रेवेन्यू रिकवरी सर्टिफिकेट। आरसीसी वो होता है जब बिल्डर प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले रेरा के पास जमा कराना होता है। बिल्डर के अधूरे प्रोजेक्ट या डिफाल्टर होने पर इस सुरक्षा निधि को तोड़कर आम लोग यानी जिन्होंने निवेश किया है उन्हें दिया जा सकता है।

इस आरआरसी को जब्त करने का अधिकार कलेक्टरों के पास होता है। कलेक्टर के आदेश के खिलाफ बिल्डर अपील भी कर सकता है। छत्तीसगढ़ रेरा, बैंकों या अन्य विभागों की ओर से जो आरआरसी जारी की जाती है वो हमेशा डिफॉल्ट की गई मूल राशि और उस पर लगे ब्याज के बराबर होता है।

जल्द ही जारी की जाएगी रिमाइंडर सूची डिफाल्टर बिल्डरों से वसूली के लिए उनकी आरआरसी जब्त करने संबंधित जिलों के कलेक्टरों को सूचना दी जा चुकी है। इस बारे में फिर से सूची के साथ रिमाइंडर जारी किया जाएगा। **-आस्था राजपूत, रजिस्ट्रार छत्तीसगढ़ रेरा**

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

स्कूटी सवार बाप-बेटे को बस ड्राइवर ने मारी टक्कर, गाड़ी को 15 फीट तक घसीटा

रायपुर। रायपुर में सड़क हादसे का एक खौफनाक वीडियो सामने आया है। टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक यात्री बस ने स्कूटी सवार पिता और उसके 3 साल के बेटे को टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद स्कूटी बस के नीचे फंस गई और बस ड्राइवर उसे 15 फीट तक घसीटता हुआ आगे बढ़ गया। हादसे में पिता-पुत्र घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज सामने आने के बाद हादसे की भयावहता साफ दिखाई दे रही है।

जानकारी के मुताबिक, घटना पचपेड़ी नाका से संतोषीनगर जाने वाली सर्विस रोड की है। चहल ट्रांसपोर्ट की यात्री बस सर्विस रोड से रिंग रोड की ओर जा रही थी। इसी दौरान स्कूटी सवार गौतम पठानी अपने 3 साल के बेटे के साथ वहां से गुजर रहे थे। अचानक बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद स्कूटी बस के नीचे फंस गई। इसके बावजूद बस कुछ दूरी तक चलती रही और स्कूटी सड़क पर घिसटती रही। हादसा देखकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

रायपुर में एक ही दिन में 6 रुपए बढ़े दाम:25 लाख टन चीनी लायक गन्ना एथेनॉल में गया; चीनी 40% महंगी

रायपुर। देश में चीनी के दाम 3 माह में 40% (19 रु./किग्रा) बढ़ गए। गुड़ 24%, चावल 16% और मक्के का आटा 11% तक महंगा हुआ। वहीं गुरुवार की शाम रायपुर में शक्कर चिल्हर में 6 रुपए प्रति किलो महंगी हो गई।

शाम को शक्कर 70 रुपए प्रति किलो में बिकी जबकि सुबह 64 रुपए में मिल रही थी। इसी प्रकार थोक में 62 रुपए से बढ़कर 67 रुपए हो गई।

पिछले कुछ वर्षों से इन चीजों के दामों में खास बढ़ोतरी नहीं हुई थी। चीनी की कीमतें काबू करने के लिए सरकार ने गुरुवार को टैरिफ रेट कोटा के तहत 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन रॉ शुगर के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी।

साथ ही, हर माह 10 टन से अधिक खपत वाले थोक उपभोक्ताओं पर स्टॉक लिमिट लगा दी। ये 15 दिन तक की खपत जितनी चीनी ही रख सकेंगे। कीमतें बढ़ने की बड़ी वजह 1 अक्टूबर से शुरू हो रहे 2026-27 सीजन में चीनी का ओपनिंग स्टॉक घरेलू खपत के लिए जरूरी 50 लाख टन से कम रहने का अनुमान है।

मानकों के अनुसार एथेनॉल में 67% मक्का, चावल की टुकड़ी और खराब अनाज प्रयोग होता है। बाकी 33% गन्ना और इसके उत्पाद प्रयोग होते हैं। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन के अनुसार देश में पिछले साल 720 करोड़ लीटर एथेनॉल बना।

इसके लिए 1.33 करोड़ टन अनाज और 25 लाख टन चीनी बनाने लायक गन्ना-शीरा लगा। इसमें 34 लाख टन गन्ना था। खराब अनाज से पशु आहार और पॉल्ट्री फीड बनती थी। उपलब्धता घटने से पशु आहार 8-10% तक महंगा हुआ, जिससे दूध-अंडे की कीमतें भी 5-10% तक बढ़ चुकी हैं।

निर्यात... 4 साल पहले 1.33 करोड़ टन था, अब जीरो हुआ

वाणिज्यिक मामलों के मंत्रालय के अनुसार 2022-23 में 1.33 करोड़ टन चीनी-शीरा और इससे बने उत्पादों का निर्यात हुआ। 2023-24 में 51.35 लाख टन निर्यात की गई। 2024-25 में निर्यात घटकर 38.43 लाख टन तक सीमित हो गया। वर्ष 2026-27 में चीनी के निर्यात का आंकड़ा जीरो रहेगा, क्योंकि इस बार आयात करने की नौबत आ गई है।

ओपनिंग स्टॉक पिछले साल 47 लाख टन, इस बार 32 लाख टन

2026-27 में गन्ने के कुल उत्पादन का अनुमान 46.3 करोड़ टन है। साथ ही, 3.36 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान है, जो पिछले वर्ष से 12% ज्यादा है।

2025-26 में पेराई से पहले मिलों का ओपनिंग स्टॉक 47 लाख टन था। वहीं, 2026-27 के पेराई सीजन से पहले ये स्टॉक 32 लाख टन बचा है। बड़ी वजह ये है कि 2025-26 में 25 लाख टन चीनी लायक गन्ना-शीरा एथेनॉल बनाने में लगा।

इंडियन शुगर एंड बायो एनर्जी मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के महानिदेशक दीपक बलानी कहते हैं कि चीनी की कमी नहीं है। यह तेजी सट्टेबाजी और पेनिक बाइंग का नतीजा है। क्लोजिंग स्टॉक 35-40 लाख टन रहेगा।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने कहा, 'हम 3 साल से कह रहे हैं कि चीनी के गन्ने का एथेनॉल में उपयोग मुश्किलें खड़ी करेगा।

अब वही समय आ गया है। सरकार चीनी आयात की तैयारी में है। लेकिन नवंबर से पहले दुनियाभर से ऐसी चीनी मिलने की संभावना बहुत कम है। सरकार रॉ शुगर के आयात के प्रयास में है। ऐसी चीनी का निर्यात करने वाले देश बहुत कम हैं।

रायपुर में प्रोजेक्ट धड़कन में 1777 बच्चों की हृदय जांच: 26 बच्चों का हुआ निशुल्क ऑपरेशन

रायपुर। जिला प्रशासन की ओर से बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाए जा रहे प्रोजेक्ट धड़कन के तहत जिले में 1,777 बच्चों की निशुल्क हृदय जांच की गई। जिला प्रशासन और श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से अलग-अलग क्षेत्रों में टीमों ने स्कूलों में पहुंचकर बच्चों की स्क्रीनिंग की।

अभनपुर की दो टीमों ने हसदा और अमदी में 197 बच्चों, आरंग की तीन टीमों ने मोखला, कोसरंगी और सेमरिया सामोदा में 487 बच्चों की जांच की। वहीं धरसींवा की दो टीमों ने रैता और दतरेंगा में 341 बच्चों की स्क्रीनिंग की। तिल्दा की दो टीमों ने बेलदारसेवनी और सतभवन में 322 बच्चों की जांच की।

रायपुर शहर की चार टीमों ने बैरन बाजार, खो-खो पारा, शांति नगर और उरला के स्कूलों में 430 बच्चों की हृदय जांच की। इस दौरान बच्चों की प्रारंभिक जांच कर हृदय से जुड़ी संभावित समस्या वाले बच्चों की पहचान की गई।

प्रोजेक्ट के तहत अब तक जिले में 1 लाख 87 हजार 340 बच्चों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इनमें हृदय संबंधी समस्या पाए जाने पर 26 बच्चों का निशुल्क ऑपरेशन भी कराया गया है।

जिला प्रशासन के अनुसार स्कूलों में नियमित स्क्रीनिंग का उद्देश्य बच्चों में हृदय संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान और इलाज सुनिश्चित करना है।

छत्तीसगढ़ के योगेश साहू ने KBC में जीते 50 लाख

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार के रहने वाले योगेश साहू (23) ने कौन बनेगा करोड़पति में 50 लाख रुपए जीते हैं। उन्होंने 1 करोड़ रुपए के सवाल का जवाब देने के बजाय गेम क्विट कर दिया। योगेश **IIT** बॉम्बे में टॉपर भी रह चुके हैं। उन्होंने **IIT** में पहले ही प्रयास में एडमिशन लिया था।

ग्राम टेहका के रहने वाले योगेश ने कैंपस प्लेसमेंट में मिली 1.5 लाख रुपए महीने की नौकरी छोड़ दी, क्योंकि वह **IAS** अधिकारी बनने का अपना सपना पूरा करना चाहते हैं। पिता गयाराम साहू महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस के ड्राइवर हैं।

योगेश ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। पिता ने बताया कि योगेश ने **PSC** सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा भी पहले ही प्रयास में पास की है। वह फिलहाल मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में योगेश मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करते और सोशल मीडिया से भी दूर रहते हैं।

कृषि विश्वविद्यालय:परीक्षा से 2 घंटे पहले लीक हुआ कीट विज्ञान का पेपर; आनन-फानन में परीक्षा रद्द, अब सितंबर में फिर से पेपर

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) में परीक्षा से पहले पर्चा लीक होने का मामला सामने आया है। विवि में चल रही बीएससी (एग्रीकल्चर) द्वितीय वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा का कीट विज्ञान का प्रश्नपत्र परीक्षा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले ही वाट्सएप पर लीक हो गया।

परीक्षा से ठीक पहले प्रश्नपत्र की तस्वीरें और सामग्री धड़ल्ले से विद्यार्थियों के मोबाइल स्क्रीन पर तैरने लगीं। मामला उजागर होते ही विश्वविद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया।

आनन-फानन में 20 अगस्त को आयोजित इस परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक जैसी घटना अत्यंत गंभीर है और इसमें जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उधर, विवि प्रशासन ने एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही साइबर सेल में भी शिकायत की है। बताया जा रहा है कि विवि प्रशासन को कवर्धा से इस प्रश्नपत्र के लीक होने की शिकायत मिली थी। पेपर लीक की जांच तीन स्तर पर की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करा दी है। अब पुलिस इस मामले की अपने स्तर पर तहकीकात करेगी। इसके अलावा साइबर सेल में भी शिकायत की गई है। मामला सामने आने के बाद परीक्षा नियंत्रक ने 20 अगस्त को ही एक सर्कुलर जारी किया। इसके अनुसार, रद्द की गई पेस्ट मैनेजमेंट इन क्रॉप्स एंड स्टोर्ड ग्रेन्स- 1 (रबी फसल) का पेपर अब सितंबर 2026 के पहले सप्ताह में दोबारा आयोजित की जाएगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी: सीएम पर्चा लीक मामले में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा निरस्त कर दी है। मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का भी गठन किया गया है। इस पूरे मामले की जांच होगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पेपर लीक होने की बात सामने आते ही विवि ने प्रोफेसर की अंतरिम टीम गठित कर जांच कराई। पेपर लीक होने की पुष्टि होते ही विवि प्रशासन ने पेपर रद्द करने का निर्णय लिया। मामले में एफआईआर दर्ज कराई गई है। - **डॉ. कपिल देव दीपक, कुलसचिव इंदिरा गांधी कृषि विवि**

CWC की बैठक में छत्तीसगढ़ के मुद्दों की गूंज: युवाओं-किसानों से जुड़े मुद्दे पर हुई चर्चा, कांग्रेस नेताओं ने E20 पर केंद्र सरकार को घेरा

रायपुर। नई दिल्ली के इंदिरा भवन में 19 अगस्त को हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में केंद्र की नीतियों के खिलाफ पार्टी ने कई मुद्दे उठाए। बैठक में पेपर लीक, बेरोजगारी, अयोध्या चंदा, चीन सीमा, कृषि-ऊर्जा सुरक्षा और श्व20 पेट्रोल पर चर्चा हुई।

इन मुद्दों का असर छत्तीसगढ़ से भी जुड़ता है, क्योंकि राज्य में बड़ी संख्या में युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और कृषि अर्थव्यवस्था में ईंधन की कीमत व फसल उपयोग जैसे विषय सीधे किसानों से जुड़े हैं।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पिछले एक दशक में पेपर लीक बड़ी समस्या बन गया है। छत्तीसगढ़ में भी **PSC**, व्यापमं और अन्य भर्ती परीक्षाओं को लेकर विवाद और युवाओं के आंदोलन समय-समय पर सामने आते रहे हैं।

CWC ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी से सबसे ज्यादा नुकसान उन युवाओं को होता है, जो वर्षों तक तैयारी करते हैं। राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' अभियान का जिक्र करते हुए कांग्रेस ने शिक्षा व्यवस्था में निजीकरण और केंद्रीकरण का विरोध किया।

E20 का असर छत्तीसगढ़ के किसानों पर

कांग्रेस कार्यसमिति ने **E**20 पेट्रोल से माइलेज कम होने, पुराने वाहनों की अनुकूलता और उपभोक्ताओं के सीमित विकल्पों पर चिंता जताई।

छत्तीसगढ़ के संदर्भ में पार्टी का यह मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि और ग्रामीण परिवहन की बड़ी भूमिका है। कांग्रेस ने गन्ने और मक्के को ईंधन उत्पादन में इस्तेमाल किए जाने से खाद्य और पर्यावरण संबंधी संभावित असर पर भी सवाल उठाए।

कृषि और ऊर्जा सुरक्षा भी मुद्दा

CWC ने केंद्र पर अमेरिकी दबाव में कृषि और ऊर्जा सुरक्षा से समझौता करने का आरोप लगाया। इसका असर छत्तीसगढ़ के किसानों पर भी पड़ने की बात कांग्रेस ने उठाई।

पार्टी ने कहा कि कृषि नीति बनाते समय किसानों की आय, फसलों की मांग और खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

रायपुर में बाढ़ में फंसे लोगों के रेस्क्यू का मॉकड्रिल:स्चक्र टैंकर हादसे में गैस रिसाव रोकने की प्रैक्टिस, NDRF-SDRF ने संभाला मोर्चा, परखी तैयारियां

रायपुर। बाढ़ और **LPG** टैंकर हादसे जैसी आपात स्थिति में बचाव कार्य कैसे किया जाए, इसे लेकर गुरुवार को मॉकड्रिल की गई। सेंध जलाशय, नवा रायपुर और शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के आसपास हुए इस अभ्यास में बाढ़ में फंसे लोगों और पशुओं को सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया गया।

इसके साथ ही **LPG** गैस लीक होने की स्थिति में राहत और बचाव का तरीका भी दिखाया गया। मॉकड्रिल में **NDRF, SDRF**, नगर सेना, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन समेत कई विभागों की टीमें शामिल हुईं।

मॉकड्रिल में परसदा गांव में एक व्यक्ति के बाढ़ के पानी में फंसने की स्थिति बनाई गई। सूचना मिलने पर बचाव टीम बोट और जरूरी सामान के साथ मौके पर पहुंची। व्यक्ति को पानी से बाहर निकालकर ष्टक्क और प्राथमिक उपचार दिया गया।

इसके बाद उसे एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने का अभ्यास किया गया। इस दौरान सूचना मिलने से लेकर व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने तक की पूरी प्रक्रिया को तय तरीके से किया गया।

इसके बाद बाढ़ के पानी में पशुओं के फंसे होने की सूचना का अभ्यास किया गया। टीम ने रस्सियों की मदद से ऊंचे स्थान पर फंसी बकरियों को बाहर निकाला और बोट से सुरक्षित जगह पहुंचाया। पशु डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया।

इसी दौरान एक व्यक्ति और बच्चे के पानी में फंसे होने का भी अभ्यास किया गया। दोनों को सुरक्षित निकालकर प्राथमिक उपचार के बाद रेस्क्यू सेंटर भेजा गया।

दूसरे चरण में स्टेडियम के पास **LPG** टैंकर के दुर्घटनाग्रस्त होने और गैस रिसाव की स्थिति बनाई गई। सूचना मिलने के बाद **NDRF, SDRF**, नगर सेना और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची। टीम ने आसपास के इलाके को सुरक्षित किया और गैस रिसाव को रोकने की कार्रवाई का अभ्यास किया। हादसे में घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजने की प्रक्रिया भी दिखाई गई।

बोट से इलाके में तलाश, कोई फंसा तो नहीं

मॉकड्रिल के अंत में ,ष्ठरू उमा शंकर बंदे, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, आरंग स्ष्ठरू अभिलाषा पैकरा, रायपुर स्ष्ठरू नंदकुमार चौबे और अन्य अधिकारियों ने बोट से प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया। टीम ने यह देखा कि कहीं कोई व्यक्ति बाढ़ के पानी में फंसा तो नहीं है। इस दौरान रेस्क्यू टीमों की कार्रवाई और अलग-अलग विभागों के बीच तालमेल को भी देखा गया।

सूचना से राहत तक पूरी प्रक्रिया की जांच

मॉकड्रिल में बाढ़ और **LPG** हादसे जैसी स्थिति में सूचना मिलने के बाद टीमों के पहुंचने, लोगों को निकालने, प्राथमिक उपचार देने और सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की प्रक्रिया परखी गई।

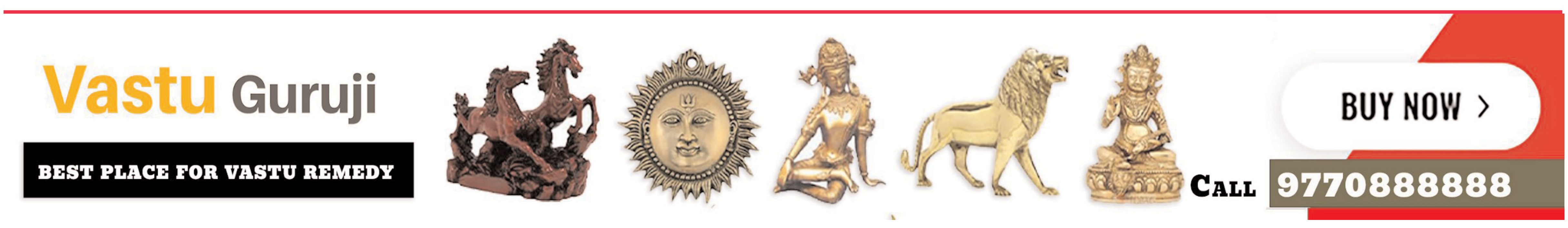

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज सेहत मध्यम रह सकती है, इसलिए व्यर्थ की भागदौड़ से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में किसी काम को जल्दबाजी में पूरा करने के बजाय सावधानी और योजना के साथ आगे बढ़ें। सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाए रखें, इससे काम का दबाव कम होगा। आर्थिक मामलों में सामान्य स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

वृषभ। आज आपका पराक्रम और आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमता दिखाने के कई अवसर मिल सकते हैं। व्यवसाय में नए अवसर सामने आएंगे और किसी नए ग्राहक या संपर्क से लाभ होने की संभावना है। हालांकि भावुक होकर कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम बढ़ाना जरूरी होगा।

मिथुन। आज निवेश से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा, खासकर बिना पूरी जानकारी के किसी योजना में धन लगाने से नुकसान हो सकता है। आपकी वाणी और व्यवहार आपके लिए लाभ का माध्यम बनेंगे। कार्यक्षेत्र में बातचीत के जरिए किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है। सहकर्मियों और अधिकारियों के साथ मधुर संबंध बनाए रखें।

कर्क। आज परिवार का पूरा साथ मिलेगा, जिससे आप मानसिक रूप से मजबूत महसूस करेंगे। घर-परिवार से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय मिलकर लिया जा सकता है। हालांकि खर्च अधिक होने की संभावना है, इसलिए बजट बनाकर चलें और अनावश्यक खरीदारी से बचें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन सहकर्मियों की मदद से उन्हें पूरा कर लेंगे। व्यापार में सामान्य लाभ मिलने के संकेत हैं।

सिंह। आज करियर से जुड़ा कोई नया समाचार आपको उत्साहित कर सकता है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी या बेहतर अवसर मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारी सहयोग करेंगे। व्यवसाय में बदलाव करना फायदेमंद साबित हो सकता है, लेकिन कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले पूरी योजना तैयार करें। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। पुराने निवेश से भी लाभ मिल सकता है।

कन्या। आज का दिन आपके लिए खुशनुमा और सकारात्मक रहने की संभावना है। व्यापार और कार्य की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष ध्यान देंगे, जिससे मुनाफा बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और व्यवस्थित कार्यशैली की सराहना होगी। किसी पुराने ग्राहक या संपर्क से लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए नई योजनाओं पर काम करेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण शांत रहेगा।

तुला। आज रुके हुए काम पूरे होने के योग बन रहे हैं। लंबे समय से किसी कार्य में आ रही बाधा दूर हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपकी मेहनत को उचित पहचान प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। व्यापारियों के लिए भी दिन सकारात्मक रहेगा और पुराने सौदे आगे बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक। आज पुरानी योजनाओं पर दोबारा काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। जो काम किसी कारण से रुक गया था, उसे नई रणनीति के साथ आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग ला सकती है। व्यापारियों को पुराने संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन जोखिम वाले निवेश से बचना बेहतर होगा। परिवार में किसी सदस्य के साथ महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है।

धनु। आज सामाजिक संपर्क बढ़ेंगे और नए लोगों से परिचय हो सकता है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। अचानक धनलाभ के योग बन सकते हैं, लेकिन प्राप्त धन का सही प्रबंधन करना जरूरी होगा। व्यापार में कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा और उनकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा।

मकर। आज वैवाहिक जीवन में थोड़ा संयम रखने की जरूरत होगी। छोटी बातों को बड़ा बनाने से बचें और जीवनसाथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। साझेदारी के कामों में पारदर्शिता बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। व्यापार में किसी भी समझौते या अनुबंध को ध्यान से पढ़कर ही आगे बढ़ें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन बड़े निवेश में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलने के संकेत हैं।

कुंभ। आज शत्रुओं और विरोधियों पर आपका दबदबा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी रणनीति और मेहनत के कारण विरोधियों की योजनाएं सफल नहीं होंगी। हालांकि किसी से अनावश्यक विवाद करने से बचें। अनुशासन का पालन करना आज आपके लिए विशेष रूप से लाभकारी रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है। व्यापार में पुराने संपर्कों से लाभ मिलने के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और आय के नए स्रोतों पर विचार कर सकते हैं।

मीन। आज विद्यार्थियों के लिए अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। पढ़ाई में मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा और किसी प्रतियोगिता या परीक्षा से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा, जिससे कठिन काम भी आसानी से पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन मिलेगा। व्यापार में नए अवसर मिलने की संभावना है और पुराने संपर्क उपयोगी साबित हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन भविष्य की योजनाओं के लिए बचत पर ध्यान दें। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा।

नौकरी से निकाले गए अफसर रांची में धरने पर बैठे

झारखंड PSC परीक्षा रद्द करने के फैसले पर रोक, हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

रांची। JSSC CGL नियुक्ति रद्द होने से नौकरी से हटाए गए अधिकारी शुक्रवार को भी धरने पर हैं। वो लगातार जेएसएससी सीजीएल रद्द वापस लेने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को दिनभर प्रोजेक्ट भवन के सामने धरना दिया और शाम को मोरहाबादी से अल्बर्ट एक्का चौक तक तिरंगा यात्रा निकाला।

वहीं, झारखंड हाईकोर्ट ने जेपीएससी 11वीं-13वीं सिविल सेवा परीक्षा पास अधिकारियों और फूड सेफ्टी अफसरों को बड़ी राहत दी है। जस्टिस दीपक रोशन की कोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत जेपीएससी 11वीं-13वीं सिविल सेवा और फूड सेफ्टी अफसरों की नियुक्ति रद्द कर दी गई थी।

कोर्ट ने इसपर अगले आदेश तक रोक लगाते हुए कहा कि सभी अपना काम जारी रखेंगे। अतिरिक्त महाधिवक्ता को इससे संबंधित सूचना विभाग को देने के लिए कहा गया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

इधर, बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) की नियुक्ति परीक्षा रद्द करने का मामला भी हाईकोर्ट पहुंच गया है। वरीय अधिवक्ता इन्द्रजीत सिन्हा और अमृतांश वत्स ने प्रार्थी सुभाष मुर्मू की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है।

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा 18 अगस्त को जारी उस आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है, जिसके माध्यम से सीडीपीओ की नियुक्ति को रद्द कर दिया गया है। हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर लिया है।

झारखंड सरकार ने **JPSC** और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के चलते 17 अगस्त को 22 परीक्षाएं रद्द कर दी थीं।

इनमें **JPSC** की 11वीं से 13वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा, 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा और **JSSC-CGL** परीक्षा भी शामिल है। जांच **CID** को सौंप दी गई है।

इन परीक्षाओं के आधार पर 2394 अधिकारी विभिन्न विभागों में कार्यरत थे। सरकार के फैसले के बाद इन सभी अधिकारियों की नियुक्तियां समाप्त मानी जाएंगी।

आज सभी जिलों में मुख्यमंत्री का पुतला दहनः छात्र नेता

वहीं, जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के कुणाल ने प्रेसवार्ता कर कहा-सरकार के तरफ से हाईकोर्ट में इतने महत्वपूर्ण केस की सुनवाई में ना तो सरकार के महाधिवक्ता शामिल हुए और ना ही कोई बड़ा वकील। सरकारी वकील ने एक शब्द भी नहीं कहा।

उन्होंने कहा- अगर सरकार की मंशा सही होती तो आज एक अच्छा वकील कोर्ट में उन बातों को डिफेंड करने के लिए उपस्थित होता। सरकार को कोर्ट में बताना चाहिए था कि परीक्षाओं को किन कारणों से रद्द किया गया था। ये तो छात्रों के साथ धोखा है। ये साबित करता है सरकार की मंशा सही नहीं थी। झारखंड के छात्रों के साथ धोखा हुआ है।

जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के रविंद्र पासवान ने कहा- हमें लगा सरकार की मंशा सही है और दो माह के लिए अपना आंदोलन स्थगित किया। लेकिन आज जो भी हाईकोर्ट में हुआ, इससे समझ में आया कि सरकार ने हमें धोखा दिया है।

उन्होंने कहा- सरकार की मंशा सिर्फ आंदोलन खत्म करवाना था। सरकार ने जो कमिटमेंट किया है, वो दिखना चाहिए। वरना हम दो माह के पहले ही आंदोलन छेड़ देंगे, जो काफी व्यापक होगा। कल 24 जिले में मुख्यमंत्री का पुतला दहन होगा।

29 जंगली हाथियों का उत्पात चौथे दिन भी जारीः फसलें, संपत्तियां तबाह; 100 किसानों को 1 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड स्थित अटका क्षेत्र में 29 जंगली हाथियों का झुंड चौथे दिन भी सक्रिय रहा। हाथियों ने किसानों की तैयार फसलों और कई संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान एक होटल पूरी तरह ध्वस्त हो गया, जबकि एक पॉल्ट्री फार्म क्षतिग्रस्त होने से लगभग दो हजार मुर्गे भाग गए।

हाथियों ने कई स्थानों पर चारदीवारी तोड़ी। खेतों और कुओं के पास लगे मोटर पंप, ड्रिप इरिगेशन सिस्टम सहित अन्य सिंचाई उपकरण भी क्षतिग्रस्त कर दिए गए। बादाम, मिर्च, भिंडी, खीरा, धनिया पत्ता, मूली और धान जैसी कई फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं।

किसानों के अनुसार, हाथियों ने लगभग एक किलोमीटर के दायरे में फसलों को भारी क्षति पहुंचाई है। ग्रामीणों का दावा है कि चार दिनों में 100 से अधिक किसानों को करीब एक करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। गन्ने की तैयार फसल को सर्वाधिक क्षति हुई है, क्योंकि किसान बताते हैं कि गन्ने की मिठास के कारण हाथियों का झुंड बार-बार खेतों में लौट रहा है।

वन विभाग की टीम हाथियों को भगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ग्रामीणों के सहयोग से हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा जाता है, लेकिन कुछ समय बाद झुंड फिर लौट आता है और फसलों को नष्ट करने लगता है। हाथियों के लगातार आवागमन से भी बड़ी मात्रा में फसलें कुचलकर बर्बाद हो रही हैं। लगातार हो रहे नुकसान से किसानों में नाराजगी है। उन्होंने वन विभाग से हाथियों को सुरक्षित तरीके से क्षेत्र से हटाने और नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

इधर, हाथियों द्वारा मचाई जा रही तबाही की सूचना मिलने पर गुरुवार को विधायक पुत्र रवि कुमार महतो, अटका पूर्वी पंचायत के मुखिया संतोष प्रसाद, पंचायत समिति सदस्य टेक नारायण साव, भाजपा नेता दीपू मंडल, सुरेश मंडल, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि रंजीत मेहता, पूर्व पंचायत समिति सदस्य गोबिंद सिंह, किसान बिहारी लाल मेहता, डब्ल्यू राणा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रभावित इलाकों का जायजा लेते हुए हाथियों द्वारा की गई तबाही का निरीक्षण किया और किसानों की समस्याएं सुनीं।

झामुमो की विस्तारित केंद्रीय समिति की बैठकः नुकसान की भरपाई कौन करेगा, झारखंड के हक के लिए हर स्तर पर लड़ेंगे : सीएम

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खान एवं खनिज विकास (एमएमडीआर) कानून में संशोधन पर केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार इस कानून के खिलाफ लोकतांत्रिक, संवैधानिक और कानूनी स्तर पर लड़ाई शुरू करेगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र ने राज्यों से सलाह-मशविरा किए बिना इतना बड़ा फैसला लिया, जिसका प्रतिकूल असर झारखंड के आदिवासी, दलित, पिछड़े, गरीब, किसान और मजदूर समेत हर वर्ग पर पड़ेगा।

हाल में केंद्र सरकार के कई फैसले देश और राज्यों के सामने गंभीर मुद्दे के रूप में खड़े हुए हैं। पेपर लीक, एसआईआर, परिसीमन और अब एमएमडीआर कानून में संशोधन जैसे मुद्दों का सीधा असर आम लोगों और राज्यों के अधिकारों पर पड़ रहा है। इसको लेकर फिलहाल जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। एक-दो दिन में आंदोलन के विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा कर दी जाएगी। वे गुरुवार को झामुमो की विस्तारित केंद्रीय समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड देश के विकास में अपने खनिज संसाधनों के माध्यम से अहम योगदान देता है।

सीजीएल परीक्षा की जांच के लिए एसआईटी गठितः37 से पूछताछ, सीआईडी ने पेपर लीक से इनकार किया था

रांची। जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा की जांच का दायरा बढ़ने लगा है। पहले सीआईडी ने हाईकोर्ट में शपथ पत्र दायर कर पेपर लीक की बात से साफ इनकार किया था। लेकिन अब परीक्षा एजेंसी टीडीपीएल के मार्केटिंग मैनेजर अभय तिवारी के सनसनीखेज खुलासे के बाद सीआईडी के एडीजी मनोज कौशिक ने 17 सदस्यीय एसआईटी गठित कर दी है।

एसटीएफ के आईजी अनूप बिरथरे के नेतृत्व में बनी एसआईटी में 7 आईपीएस अफसर समेत डीएसपी, इंस्पेक्टर और दारोगा को शामिल किया गया है। एसआईटी ने कमान संभालते ही गुरुवार को 37 संदिग्धों को नोटिस देकर पूछताछ की। इनसे पूछताछ और गिरफ्तार आरोपियों से मिले इनपुट के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जाएगी। गौरतलब है कि सरकार ने सीजीएल परीक्षा रद्द कर दी है। अफसरों की प्रोजेक्ट भवन में एंट्री रोक दी गई है। इसके बाद वे सड़क पर उतर गए हैं। आंदोलन शुरू कर दिया है।

ये आईपीएस अधिकारी एसआईटी में शामिल एसटीएफ आईजी अनूप बिरथरे के नेतृत्व में बनी एसआईटी में डीआईजी (एससीआरबी) वाईएस रमेश, एसपी (विशेष शाखा) हृदीप पी. जनार्दनन, एसपी (एसआईबी) सौरभ, एसपी (मुख्यालय) निधि द्विवेदी, एसपी (सीआईडी) पूज्य प्रकाश, एसपी (सीआईडी) रोशन गुड़िया और एएसपी चैनपुर श्रुति को शामिल किया गया है। यह परीक्षा 21 व 22 सितंबर 2024 को हुई थी। सीआईडी थाने में 1 जनवरी 2025 को एफआईआर दर्ज की गई थी। एसपी हृदीप पी. जनार्दनन अनुसंधानकर्ता बनाए गए थ्ते। इस मामले में करीब दर्जनभर आरोपी जेल में हैं।

अभय तिवारी ने स्वीकारा था-सीजीएल में धांधली हुई, पैसे लेकर अयोग्य अभ्यर्थियों को पास कराया इस पूरे खेल का पर्दाफाश तब हुआ, जब जेपीएससी 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में धांधली मामले में परीक्षा एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्रा. लि. (टीडीपीएल) के मार्केटिंग मैनेजर अभय कुमार तिवारी को गिरफ्तार किया गया।

सीएमडी और यूनियनों संग किया मंथनःएचईसी कभी बंद नहीं होगी, केंद्र से दिलाएंगे पैकेज : त्रिची शिवा

रांची। आर्थिक संकट से जूझ रहे हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) के पुनरुद्धार को लेकर गुरुवार को कर्मचारियों में उम्मीद की नई किरण जगी। उद्योग संबंधी केंद्रीय संसदीय समिति के अध्यक्ष सांसद तिरुचि (त्रिची) शिवा ने दो टूक कहा कि एचईसी कभी बंद नहीं होगी। इसके रिवाइवल के लिए केंद्र सरकार से तत्काल आर्थिक पैकेज दिलाने का ठोस प्रयास किया जाएगा।

समिति के अध्यक्ष ने कहा कि पहले चरण में कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान और कंपनी के लिए वर्किंग कैपिटल की व्यवस्था करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके रिवाइवल के लिए झारखंड सरकार से भी बात की जाएगी। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि कलाम साहब भी मानते थे कि दूसरा एचईसी नहीं बनाया जा सकता। इसके राष्ट्रीय महत्व और तकनीकी क्षमता को देखते हुए इसे हर हाल में चलाया जाना चाहिए।

2500 करोड़ रुपए के अनुदान की मांग यूनियन प्रतिनिधियों ने संस्थान को आर्थिक संकट से उबारने के लिए केंद्र से 2500 करोड़ रुपए का अनुदान और 500 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी दिलाने की मांग की। कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान भी प्रमुख मांगों में रहा। यूनियनों ने 30 माह का बकाया वेतन, प्रमोशन और डीए मर्जर का लाभ देने की मांग की। विस्थापित ठेका कर्मियों के नियमितीकरण का मुद्दा भी उठाया गया।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	3			8				1
		7	4		1		5	
9				5		2		
		2			5		1	
3			2	1		5		
5	9			6				2
		6	5		2			
		9	6				2	7
					8		6	5

पिछले अंक का उत्तर

5	3	4	6	7	8	9	1	2
6	7	2	1	9	5	3	4	8
1	9	8	3	4	2	5	6	7
8	5	9	7	6	1	4	2	3
4	2	6	8	5	3	7	9	1
7	1	3	9	2	4	8	5	6
9	6	1	5	3	7	2	8	4
2	8	7	4	1	9	6	3	5
3	4	5	2	8	6	1	7	9

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

2394 कर्मियों को सेवा से हटाने का आदेश जारी नहीं

रांची। 2394 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा से हटाने का कोई विधिवत आदेश गुरुवार को संबंधित विभागों से जारी नहीं हुआ। इस विषय पर अधिकारी दिन भर वेट एंड वाच की स्थिति में रहे। इस बीच, वैकल्पिक व्यवस्था के तहत खाद्य आपूर्ति विभाग में काम शुरू किया गया है। सीडीपीओ का चल रहा प्रशिक्षण बंद हो गया है। सचिवालय में गुरुवार को दिन भर गहमा-गहमी बनी रही। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने उप समाहर्ता, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी और निम्न वर्गीय लिपिक को सरकार द्वारा दो दिन पूर्व जारी आदेशों के आलोक में सरकारी सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी नहीं किया। हालांकि इस संबंध में फाइल ऊपर बढ़ी, लेकिन उस पर कोई आदेश नहीं हुआ। सभी की नजरें झारखंड हाईकोर्ट में दायर केस के निर्णय पर लगी रही। मालूम हो कि मंगलवार की देर रात झारखंड सरकार के दो महत्वपूर्ण आदेश से 2394 पदों पर कार्यरत लोगों के सेवा में बने रहने पर संकट खड़ा हो गया था।

तेंदुलकर की बराबरी पर पहुंचे रूट, 68वां टेस्ट अर्धशतक लगाया: पाकिस्तान के खिलाफ बनाया रिकॉर्ड, इंग्लैंड ने लीड्स टेस्ट में 195 रन की बढ़त ली

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने सचिन तेंदुलकर के टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।
35 साल के रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ लीड्स में चल रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन 66 रन की पारी खेली। उन्होंने 68वां टेस्ट अर्धशतक लगाया।

सबसे ज्यादा टेस्ट फिफ्टी के मामले में रूट और सचिन के बाद वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल का नाम आता है। उनके नाम 66 टेस्ट फिफ्टी हैं। राहुल द्रविड़ और ऑस्ट्रेलिया के एलन बॉर्डर 63-63 फिफ्टी के साथ संयुक्त चौथे नंबर पर हैं।

50+ स्कोर बनाने वाले कप्तानों में 5वें स्थान पर रूट

रूट टेस्ट में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वालों की सूची में भी पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पूर्व साउथ अफ्रीकी कप्तान ग्रीम स्मिथ 61 स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं।

रिकी पोंटिंग 54 स्कोर के साथ दूसरे, बॉर्डर 51 के साथ तीसरे और पाकिस्तान के मिस्बाह-उल-हक 43 स्कोर के साथ चौथे स्थान पर हैं।

स्टोक्स के संन्यास के बाद रूट फिर कप्तान बने

बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद जो रूट इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर वापस लौटे हैं। रूट पहली बार फरवरी 2017 में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बने थे।

एलिस्टर कुक के इस्तीफे के बाद वे इंग्लैंड 80वें कप्तान बने थे। अप्रैल 2022 में उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। उसके बाद बेन स्टोक्स को कप्तान बनाया गया था। बेन स्टोक्स ने जुलाई 2026 में रिटायरमेंट ले लिया था।

टेस्ट में सचिन के सबसे ज्यादा शतक

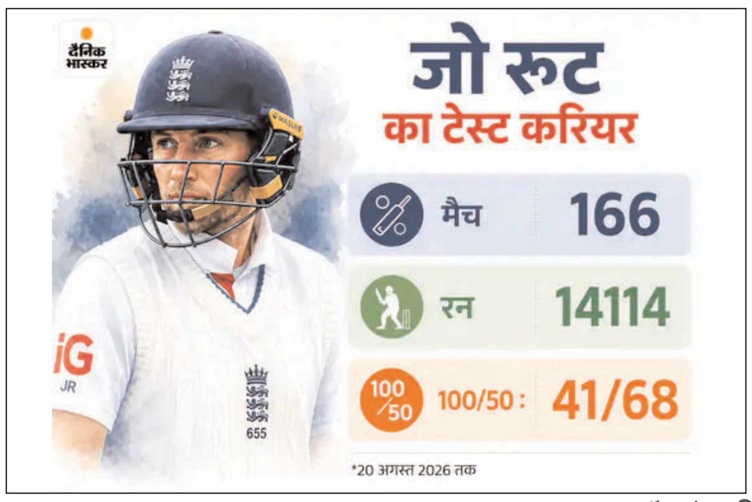

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 51 शतक लगाए हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान जैक कैलिस 45 शतक के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कैप्टन रिकी पोंटिंग 41 सेंचुरी के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान पर बढ़त बनाई

इंग्लैंड ने दूसरे दिन स्टंप्स तक 8 विकेट पर 366 रन बना लिए हैं। उसने पाकिस्तान पर 195 रन की बढ़त हासिल कर ली है। जैमी स्मिथ और जोफ्रा आर्चर नाबाद हैं। हैरी ब्रूक ने 91, जॉर्डन कॉक्स ने 73 और डॉन ड्वारेंस ने 51 रन की अर्धशतकीय पारियां खेली। पाकिस्तान के उस्मान अली को 5 विकेट मिले।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 50 अंक गिरकर 77,500 पर आया, निफ्टी भी 10 अंक टूटा; एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 21 अगस्त को शुरुआती कारोबार में हल्की गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 50 अंक फिसलकर 77,500 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 10 अंकों की गिरावट है और यह 24,220 के स्तर पर बना हुआ है। पिछले सत्र में जोरदार तेजी के बाद बाजार में आज मुनाफावसूली का असर दिखाई दे रहा है। निवेशकों की नजर वैश्विक संकेतों और विदेशी बाजारों के रुख पर बनी हुई है।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

एशियाई बाजारों में आज कारोबार का रुख मिश्रित रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.98% की बढ़त के साथ 6,925 पर पहुंचा। जापान का निक्केई 0.37% गिरकर 66,114 पर कारोबार कर रहा है। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.76% की तेजी के साथ 25,896 के स्तर पर पहुंच गया। एशियाई बाजारों के इस मिले-जुले प्रदर्शन का असर भारतीय बाजार की धारणा पर भी देखने को मिल रहा है।

20 अगस्त को अमेरिकी शेयर बाजारों में दबाव रहा। डाउ जोन्स 704 अंक यानी 1.32% गिरकर 52,759 पर बंद हुआ। नैस्डैक में 1% की गिरावट रही और यह 26,067 पर बंद हुआ। वहीं **S&P** 500 भी 0.87% फिसलकर 7,641 के स्तर पर आ गया। कमजोर अमेरिकी बाजारों का असर आज भारतीय बाजारों पर भी पड़ा है।

चांदी 6,623 महंगी, कीमत 2.44 लाख/किलो: सोना 2,419 बढ़कर 1.60 लाख पर पहुंचा

मुंबई। सोने-चांदी की कीमतों में 21 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 6,623 रुपए बढ़कर 2.44 लाख रुपए पहुंच गई। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,419 रुपए बढ़कर करीब 1.60 लाख रुपए हो गया है।

इस महीने यानी अगस्त में 21 दिन में सोना 16,639 और चांदी 26,094 रुपए महंगी हो चुकी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, सोना इस साल के आखिर तक 1 लाख 70 हजार रुपए तक जा सकता है।

सोना इस साल ?27 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 27 रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.60 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कोटक सिक्युरिटीज के सीनियर वीपी एंड कमोडिटी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी कहते हैं कि सोने को आम निवेशकों के साथ ही दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों जैसे आरबीआई का भी सपोर्ट हासिल है, जो लगातार सोना खरीद रहे हैं।

आगे मुश्किल हालात में भी सोने में तेजी बनी रहेगी। यदि हालात सुधरे तो चांदी में भी उछाल दिख सकता है। अभी जो भावी हालात नजर आ रहे हैं, उसके मुताबिक दिसंबर तक सोने की कीमत 1.70 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। चांदी की कीमत भी 3 लाख रुपए तक जा सकती है। सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्डका हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है-4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

विमेंस एशिया कप 28 अगस्त से दुबई में: भारत-पाकिस्तान एक ग्रुप में, 5 सितंबर को मुकाबला

स्पोर्ट्स डेस्क। विमेंस एशिया कप 28 अगस्त से दुबई में खेला जाएगा। भारतीय टीम अगर फाइनल जीतती है, तो खिताब के बाद होने वाली ट्रॉफी सेरेमनी पर सबकी नजर रहेगी। दरअसल, एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष पाकिस्तान के मोहसिन नकवी हैं और उनके हाथों ट्रॉफी लेने को लेकर पिछले साल पुरुष एशिया कप में विवाद हो चुका है। ऐसे में भारत के फाइनल में पहुंचने पर एक बार फिर प्रेजेंटेशन सेरेमनी को लेकर असहज स्थिति बन सकती है। भारत और पाकिस्तान इस बार एक ही ग्रुप में हैं और दोनों के बीच 5 सितंबर को लीग मैच खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 13 सितंबर को होगा।

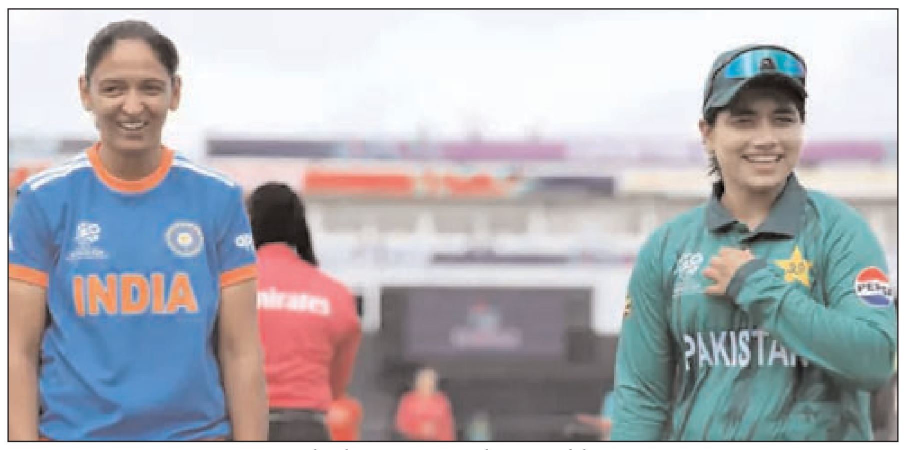

पिछले साल मेंस टीम ने नकवी से ट्रॉफी नहीं ली थी

सितंबर 2025 में मेंस एशिया कप जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। यह फैसला पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बने तनाव के बीच लिया गया था।

इसके बाद नकवी ट्रॉफी अपने साथ ले गए थे। भारतीय टीम ने बिना ट्रॉफी के ही जीत का जश्न मनाया था। ट्रॉफी अब तक चैंपियन टीम को नहीं सौंपी गई है। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख होने के साथ पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

विमेंस एशिया कप में अगर भारत फाइनल जीतता है, तो ट्रॉफी किसके हाथों से सौंपी जाएगी, इसे लेकर **BCCI** ने अभी अपना रुख साफ नहीं किया है।

बोर्ड का रुख यह है कि भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी आपस में हाथ नहीं मिलाएंगे। पिछले साल जैसी स्थिति से बचने के लिए एक विकल्प यह हो सकता है कि नकवी खुद ट्रॉफी नहीं दें और ष्टष्ट का कोई दूसरा अधिकारी भारतीय टीम को ट्रॉफी सौंपे।

भारत का बांग्लादेश दौरा फिर टल सकता है: प्रेसिडेंट बोले- दोनों बोर्ड में बातचीत जारी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट तमीम इकबाल ने संकेत दिया है कि भारत का बांग्लादेश दौरा फिर टल सकता है।

37 साल के पूर्व बांग्लादेशी कप्तान ने कहा कि सीरीज को लेकर **BCB** और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बीच बातचीत चल रही है।

दरअसल, भारत को अगस्त 2025 में बांग्लादेश का दौरा करना था, लेकिन सीरीज को बाद में सितंबर 2026 तक टाल दिया गया।

BCB ने जनवरी में बताया था कि भारत ढाका और चटगांव में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेलेगा। हालांकि, **BCCI** ने इस दौरे को लेकर अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

BCB की प्रेस रिलीज के अनुसार सीरीज का पहला वनडे 3 सितंबर को होना है। लेकिन, अब तक नया शेड्यूल जारी नहीं किया है। अभी यह साफ नहीं है कि सीरीज तय कार्यक्रम के अनुसार होगी या नहीं।

सीरीज 2024 में होनी थी: दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर टी-20 वर्ल्ड कप से पहले **BCCI** और **BCB** के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था।

सुरक्षा बड़ा इश्यू: तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

हालात सुधरने पर सीरीज संभव: भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले **BRICS** सम्मेलन का न्योता दिया है।

हेप्टाथलॉन गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय डोप टेस्ट में पॉजिटिव: स्वप्ना बर्मन को NADA ने सस्पेंड किया; इसी महीने संन्यास लिया था

भारत की एथलीट और 2018 एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट स्वप्ना बर्मन डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाई गई हैं। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया है। 29 साल की स्वप्ना के सैंपल में बोल्डेनोन नाम का प्रतिबंधित पदार्थ मिला है।

स्वप्ना ने इसी महीने एथलेटिक्स से संन्यास का ऐलान किया था। उन्होंने चोटों शरीर को फिट नहीं बताते हुए अपना करियर खत्म करने का फैसला लिया था।

2018 में रचा था इतिहास

स्वप्ना बर्मन ने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में हेप्टाथलॉन में गोल्ड मेडल जीता था। वह एशियन गेम्स में हेप्टाथलॉन का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनी थीं।

हेप्टाथलॉन एथलेटिक्स का मिक्स्ड इवेंट है। इसमें खिलाड़ी दो दिनों में 7 इवेंट्स में हिस्सा लेते हैं। इनमें 100 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, गोला फेंक, 200 मीटर, लंबी कूद, भाला फेंक और 800 मीटर शामिल हैं।

स्वप्ना ने एशियन चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीता था। वह 2016 रियो ओलिंपिक में भारत को रिप्रेजेंट कर चुकी हैं।

राज्य खेल पुरस्कार 2025-26 की अंतरिम सूची जारी:23 अगस्त तक दावा-आपत्ति, अब तक 55 खिलाड़ियों-प्रशिक्षकों के नाम फाइनल

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के खेल-युवा कल्याण विभाग ने राज्य खेल पुरस्कार अलंकरण साल 2025-26 के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और दलों की अंतरिम चयन सूची जारी कर दी है। सूची को लेकर किसी खिलाड़ी या प्रतिभागी को आपत्ति है तो वह 23 अगस्त तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन दावा-आपत्ति दर्ज करा सकता है।

इसके बाद प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। खेल-युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम की ओर से जारी सूची में अलग-अलग श्रेणियों के लिए खिलाड़ियों और दलों का चयन किया गया है।

ओलम्पिक खेलों में बिलासपुर के विकास कुमार को आर्चरी में 47 अंक के साथ, बालोद की किरण पिस्दा को फुटबॉल में 37 अंक और दुर्ग की दीपांशी नेताम को फेंसिंग में 7 अंक मिले हैं। बैडमिंटन में रायपुर के सुजेय तंबोली और आयुष माखिजा 6-6 अंक के साथ संयुक्त रूप से चयनित हुए हैं।

नॉन-ओलम्पिक खेलों में कोरबा की संजू देवी को कबड्डी में 277 अंक मिले हैं। साफ्ट टेनिस में सारंगढ़-बिलाईगढ़ की रीमा राय और नेटबाल में दुर्ग की मिशा कुमारी 7-7 अंक के साथ संयुक्त रूप से चयनित हैं। पैरा स्पोर्ट्स में महासमुंद की लक्की यादव को पैरा एथलेटिक्स में 93 अंक मिले हैं।

ओलम्पिक खेलों में रायगढ़ के दिव्यांशु देवांगन को शूटिंग में 17 अंक, बिलासपुर के विक्रम राज को आर्चरी में 15 अंक, रायपुर के दिव्यांश अग्रवाल को बैडमिंटन में 6 अंक और सूरजपुर की सोनिका राजवाड़े को एथलेटिक्स में 4 अंक मिले हैं।

नॉन-ओलम्पिक खेलों में रायगढ़ के स्वप्निल प्रधान और नारायणपुर की भूमिका चौधरी वुशू में 15-15 अंक के साथ संयुक्त रूप से चयनित हुए हैं। धमतरी की पूजा को नेटबाल में 4 अंक मिले हैं। पैरा स्पोर्ट्स में बलौदाबाजार के निखिल कुमार यादव को पैरा एथलेटिक्स में 31 अंक मिले हैं।

प्रशिक्षक वर्ग में रायपुर के अजय दीप सारंग को वेटलिफ्टिंग के लिए 124 अंक के साथ चयनित किया गया है। निर्णायक वर्ग में कोई पात्र नहीं पाया गया है।

इस श्रेणी में कुल 17 खिलाड़ियों को पात्र पाया गया है। इनमें दुर्ग के संस्कार दिवान और विद्या सिंह (वुशू), अंकुश सिंह और झमिता साहू (खो-खो), गरियाबंद के हेमशिखर (वॉलीबॉल), रायपुर के अरन्दिम देवनाथ (टेबल टेनिस), शिवांशु केशरवानी और अदिती कुमारी (टेनिकवाइट) शामिल हैं।

इसके अलावा बिलासपुर के आजिंक्या सिंह (तैराकी), दुर्ग की स्नेहा न्योगी और अनमोल सिंह (जूडो), गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के सेमेश्वर सिंह (पैरा स्विमिंग), दुर्ग के यश करकेट्टा (बॉक्सिंग), मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी के श्रीकांत पाण्डे (पैरा जूडो), दुर्ग के टुकेश साहू (जिम्नास्टिक), मुंगेली की स्तुती सोफिया मासीह (रोलबॉल) और राजनांदगांव के खुशाल यादव (हॉकी) शामिल हैं।

इस सम्मान के लिए दुर्ग के गंगेश्वर को एथलेटिक्स में 14 अंक, दुर्ग के ख्वाजा अहमद को वॉलीबॉल में 12 अंक, रायपुर के एवन कुमार जैन को वेटलिफ्टिंग में 7 अंक, रायपुर के मो. अकरम खान को वॉलीबॉल में 6 अंक और रायपुर के प्रदीप जोशी को टेबल टेनिस में 6 अंक मिले हैं।

वनांचल में रेशम की चमक

नारायणपुर में टसर योजना से संवर रही ग्रामीणों की तकदीर

रायपुर। वनांचल क्षेत्रों में रेशम उत्पादन ग्रामीण परिवारों के लिए स्वरोजगार का एक प्रमुख साधन है। यह पारंपरिक व्यवसाय कम लागत में अधिक आय देता है। इससे पलायन रुकता है और महिलाओं को घर के पास काम मिलता है। वन आधारित यह उद्योग आदिवासियों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाता है।

छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में रेशम उत्पादन ग्रामीण परिवारों के लिए आर्थिक स्वावलंबन और स्थानीय स्तर पर रोजगार का एक मजबूत आधार बनकर उभर रहा है। नारायणपुर जिले में रेशम विभाग की टसर योजना के माध्यम से वनांचल के ग्रामीण अब पारंपरिक आजीविका के साथ-साथ रेशम उत्पादन को अपनाकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहे हैं।

नारायणपुर क्षेत्र में 41 हेक्टेयर में फैले टसर अर्जुना पौधारोपण के जरिए ग्रामीण हितग्राहियों को वर्षभर आजीविका के साधन मिल रहे हैं। रेशम विभाग ग्रामीणों को न केवल टसर पौधारोपण और संसाधनों की सुविधा दे रहा है, बल्कि उन्हें वैज्ञानिक एवं तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान कर रहा है। योजना के तहत हितग्राहियों को मात्र 2 रुपये प्रति छ्रस्नस्स् (कृमि अंडे) की रियायती दर पर सामग्री दी जाती है, जिससे कम लागत में बेहतर उत्पादन संभव हो पा रहा है।

तीन फसलों के दौरान कुल 10,400 छ्रस्नस्स् का सफलतापूर्वक कृमिपालन किया गया। जिसमें क्षेत्र के 24 हितग्राहियों ने सामूहिक प्रयास से कुल 4,71,593 नग कोसाफल का रिकॉर्ड उत्पादन हासिल किया। उत्पादित कोसाफल के विक्रय से हितग्राहियों को कुल 17 लाख 56 हजार 516 रुपये की आय हुई। विभाग द्वारा पूरी राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों (छ्रक्क्ष) में भेजी गई, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई।

टसर रेशम योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह ग्रामीणों को उनके ही घर और जंगल के आसपास रोजगार उपलब्ध कराती है। अर्जुना पौधों की देखरेख से लेकर कृमिपालन और कोसाफल संग्रहण तक, पूरा परिवार इस प्रक्रिया से जुड़कर अपनी आय में बढ़ोतरी कर रहा है। नारायणपुर जैसे दुर्गम वनांचल में यह पहल पलायन रोकने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित हो रही है।

युवाओं ने ली स्वस्थ समाज निर्माण की शपथ

नशामुक्त युवा, स्वर्णिम भविष्यः धमतरी के 7 महाविद्यालयों में गूंजा नशामुक्ति का संदेश

रायपुर। देशभर के महाविद्यालयों में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत छात्रों को जागरूक करने के लिए रैलियां, शपथ ग्रहण, और नुक्कड़ नाटक जैसे विशेष कार्यक्रम तेजी से आयोजित किए जा रहे हैं। युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश देने के लिए इन अभियानों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के तहत धमतरी जिले के सात प्रमुख महाविद्यालयों में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रमों की धूम रही। सौ सप्ताह के इस विशेष अभियान के अंतर्गत सैकड़ों विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, रैली और विभिन्न स्पर्धाओं के जरिए समाज को नशे के खिलाफ एक प्रभावी संदेश दिया। जिले के बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद, शासकीय कन्या महाविद्यालय धमतरी, सुखराम नागे शासकीय महाविद्यालय नगरी, शासकीय महाविद्यालय आमदी, छत्तीसगढ़ महतारी महाविद्यालय भखारा तथा यशवंत राव मेघावाले शासकीय महाविद्यालय मगरलोड में एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैली, चित्रकला, स्लोगन लेखन, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं में अपनी रचनात्मकता से नशे के दुष्प्रभावों को रेखांकित किया।

जिला युवा अधिकारी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही देश के भविष्य की धुरी है। यदि युवा नशामुक्त और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएंगे, तभी 'विकसित भारत' की कल्पना साकार होगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित कर उन्हें समाज में नशामुक्ति का संदेशवाहक (ब्रांड एंबेसडर) बनाना है।

अबूझमाड़ के सोमारू ने मछली पालन से बदली तकदीर

नाव-जाल योजना और 50 प्रतिशत मत्स्य बीज अनुदान से बढ़ी आमदनी, एक लाख रुपए की शुद्ध आय

रायपुर। अबूझमाड़ के दूरस्थ अंचलों में सरकारी योजनाएं ग्रामीणों की आजीविका को नई दिशा दे रही हैं। नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड के ग्राम ओरछा निवासी श्री सोमारू राम उसेंडी, पिता स्व. श्री गिलू राम, ने मत्स्य पालन को रोजगार का साधन बनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। शासन की नाव-जाल योजना, मत्स्य बीज पर अनुदान और विभागीय मार्गदर्शन से उन्होंने मछली पालन को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया और करीब 1.25 लाख रुपए की आय अर्जित की, जिसमें लगभग 1 लाख रुपए शुद्ध आय रही।

सोमारू राम उसेंडी लंबे समय से मत्स्य पालन से जुड़े हैं। वर्ष 2023-24 में उन्हें मत्स्य पालन प्रसार अंतर्गत नाव-जाल योजना'' का लाभ मिला। विभाग की ओर से जाल उपलब्ध कराए जाने से उन्हें मछली पकड़ने तथा मत्स्य गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिली। इस सहायता ने उनके पारंपरिक कार्य को आय के बेहतर अवसर में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विभागीय मार्गदर्शन सउसेंडी ने अपनी भूमि पर करीब 0.500 हेक्टेयर क्षेत्रफल में तालाब विकसित किया। मत्स्य पालन प्रसार योजना के तहत उन्हें मत्स्य बीज पर 50 प्रतिशत अनुदान भी मिला। विभागीय सहायता और अपने योगदान से उन्होंने तालाब में मत्स्य बीज का संचयन किया और मछली पालन को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया।

मेहनत और योजनाओं के बेहतर उपयोग का परिणाम उत्साहजनक रहा। उनके तालाब से करीब 1000 किलोग्राम मत्स्य उत्पादन होने की संभावना दर्ज की गई। उत्पादित मछलियों को स्थानीय हाट-बाजार में बेचकर उन्होंने लगभग 1.25 लाख रुपए की आय अर्जित की। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इसमें करीब 1 लाख रुपए की शुद्ध आय रही।

सोमारू उसेंडी की सफलता बताती है कि शासकीय योजनाओं का सही लाभ, विभागीय मार्गदर्शन और मेहनत मिलकर दूरस्थ क्षेत्रों में भी ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति बदल सकते हैं। मत्स्य पालन से प्राप्त अतिरिक्त आय ने उनके परिवार को आर्थिक संबल देने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार का अवसर भी उपलब्ध कराया है। छत्तीसगढ़ में मत्स्य विभाग द्वारा पात्र मछुआरों, अनुसूचित जनजाति वर्ग सहित हितग्राहियों को नाव-जाल, मत्स्य बीज और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराकर मत्स्य पालन को आय और रोजगार के स्थायी साधन के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

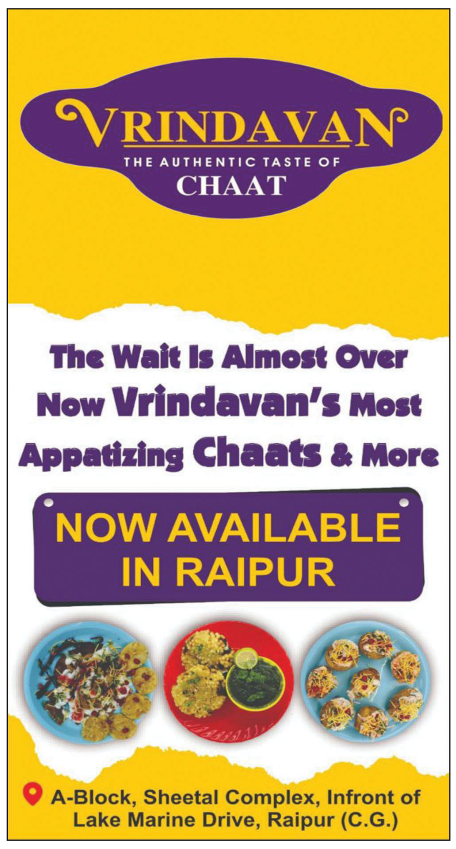

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - करण सिंह होरा द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. संपादक- करन सिंह होरा मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684